सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 295 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार 3 दिसम्बर, 2025
मूल्य ₹ 3/-

आप बंद मुट्ठी से हाथ नहीं मिला सकते।
-इंदिरा गाँधी

भारत ने नामीबिया को 13-0 से... 7 | किसानों को लेकर मप्र में फिर... 3 | बीजेपी पूर्वांचल की अर्थव्यवस्था... 2

सत्ता की आड़, बच्चों की जान के साथ किया जा रहा खिलवाड़ !

सब कुछ जानते हुए मौन है सरकार

रसूखदार आरोपी के आगे पुलिस भी थी लाचार

» जानलेवा कफ सिरप कांड में यूपी एसटीएफ का पूर्व बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह गिरफ्तार

» पूर्व सांसद व बाहुबली धनंजय सिंह से लेकर भाजपा के कई नेताओं से संबंध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मप्र में जानलेवा कफ सिरप पीने से कई मासूमों की जान चली गई थी। इसकी जांच की गई तो इसके तार तमिलनाडु से लेकर यूपी तक के रसूखदार लोगों को गदर्न तक पहुंचने लगी है। सबसे बड़ी शर्म की बात तो यह रही इसमें वो लोग शामिल हैं जो बाल विकास की बात करते हैं।

कफ सिरप के इस गोरखधंधे में मप्र व यूपी के सत्ता पक्ष से जुड़े कई नेता भी जुड़े हैं। ये अपराधियों को बचा ही नहीं रहे थे बल्कि उनकी काली कम में हाथ भी साफ कर रहे थे। यूपी में एसटीएफ जैसी सुरक्षा एजेंसी के बर्खास्त सिपाही इस काले अपराध में पकड़ा गया है। सबसे बड़ी बिडंबना है कि उसके संबंध भाजपा के करीबी पूर्व सांसद बाहुबली धनंजय सिंह है। उधर इस मामले पर सियासत भी होने लगी। सपा ने भाजपा की योगी सरकार को घेर लिया है।

करोड़ों रुपये की संपत्तियां अर्जित की

बता दें एसटीएफ के बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह ने नशीले कफ सिरप सिंडीकेट का हिस्सा बनने के बाद करोड़ों रुपये की संपत्तियां अर्जित की हैं। पुलिस सेवा से बर्खास्त होने के बाद वह पूर्व सांसद व बाहुबली धनंजय सिंह का गनर बना। इसके बाद पूर्वांचल के अंडरवर्ल्ड में उसकी पैठ गहरी होती गई। पुलिस में अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर वह शराब, खनन और नशीले कफ सिरप के कारोबार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाता गया। उसकी गिरफ्तारी के बाद उसे संरक्षण देने वालों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। आलोक के बढ़ते रसूख का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उसने लखनऊ स्थित सुल्तानपुर रोड पर धनंजय सिंह के घर के सामने महलनुमा घर बनवाया है, जिसकी कीमत करीब 20 करोड़ रुपये है। वह कई लग्जरी एसयूवी के साथ धनंजय सिंह के साथ चलता है। जौनपुर में वोटर लिस्ट में धनंजय सिंह और आलोक सिंह के घर पर पता एक ही दर्शाया गया है। सूत्रों की मानें तो आलोक सिंह पूर्व सांसद का दाहिना हाथ माना जाता है। अब गिरफ्तारी के बाद वह ईडी समेत कई एजेंसियों के निशाने पर आ गया है। एसटीएफ उसकी फर्मों के जरिये हुए नशीले कफ सिरप के कारोबार की कड़ियों को जोड़ रही है। उसकी फर्मों से एक करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ है। इसके अलावा तमाम फर्जी फर्मों के जरिये भी करोड़ों रुपये के नशीले कफ सिरप की तस्करी की गई है।

कई अन्य नेताओं से भी है संबंध

इस प्रकरण में पूर्व सांसद धनंजय सिंह का तीन आरोपियों से सीधा संबंध होना है। शुभम सिंह, अमित सिंह टाटा और आलोक सिंह, पूर्व सांसद के सर्वाधिक करीबियों में शुमार किए जाते हैं। हालांकि पुलिस अधिकारी, पूर्व सांसद की भूमिका की जांच करने से कतरा रहे हैं। आलोक, धनंजय सिंह के साथ रहने वाले एक एमएलसी का भी करीबी है। सूत्रों के मुताबिक पूर्वांचल के कई माफिया भी आलोक के जरिये शुभम से अपना हिस्सा ले रहे थे।

20 साल पहले सोना लूट कांड में बर्खास्त हुआ था आलोक

आलोक पहले भी कई मामलों में विवादों के घेरे में रह चुका है। उसे करीब 20 साल पहले सोना लूट कांड में बर्खास्त किया गया था, हालांकि बाद में वह केस से बरी हो गया। बर्खास्तगी के बाद भी पुलिस में उसका रसूख कम नहीं हुआ। सूत्रों की मानें तो वह पूर्वांचल के अंडरवर्ल्ड को कंट्रोल करने के लिए पुलिस को कई अहम सूचनाएं देता रहता था। इसकी वजह से पुलिस भी उस पर कार्रवाई नहीं करती थी। कई माफिया और अपराधियों को पुलिस की कार्रवाई से बचाने की वजह से भी अंडरवर्ल्ड में उसका प्रभाव बढ़ता जा रहा था।

आलोक सिंह

भाजपा वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया पर काम कर रही है : अखिलेश

सपा प्रमुख व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि यह बहुत बड़ा घोटला है इसकी ठीक से जांच होनी चाहिए। दवाओं और कफ सिरप से जुड़े बड़े भ्रष्टाचार का जिक्र करते हुए उन्होने कहा कि भाजपा वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया पर काम कर रही है। इस नीति के तहत कई बड़े घोटाले सामने आ रहे है, जिसमें दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

ईडी ने भी कसा शिकंजा

उत्तर प्रदेश में चर्चित कफ सिरप कांड में बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह की गिरफ्तारी के बाद अब इस मामले की जांच में और भी तेजी आ गई है। इस मामले में अब ईडी की भी एंट्री हो गई हैं। आरोपी आलोक सिंह के पूर्वांचल के दो बाहुबलियों से कनेक्शन के बाद ईडी की टीम भी इस मामले पर नजर बनाए हैं। कफ सिरप सिंडीकेट के आरोपियों की कई तस्वीरें और वीडियो फुटेज इन बाहुबलियों के साथ सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। सूत्रों के मुताबिक इन साक्ष्यों के आधार पर अब ईडी की टीम आरोपियों के साथ इनके कनेक्शन की जानकारी हासिल करने में जुट गई है। ईडी के निशाने पर दोनों बाहुबलियों की संपत्ति भी है। आलोक ने बहुत कम समय में करोड़ों की संपत्ति इकट्ठा कर ली थी, यूपी एसटीएफ़ अब इस पूरे मामले में उसकी संलिप्तता की भी जांच कर रही है, सूत्रों के मुताबिक उसकी संपत्ति भी जब्त करने की तैयारी की जा रहा है।

कई ब्यूरोक्रेट भी संपर्क में

सूत्रों की मानें तो एक पूर्व ब्यूरोक्रेट ने आलोक के साथी विकास के जरिये लखनऊ स्थित सुल्तानपुर रोड पर कई बेशकीमती संपत्तियां खरीदी हैं। ईडी ने इसकी जांच शुरू कर दी है। शुभम जायसवाल, अमित सिंह टाटा और आलोक सिंह को दुबई की सैर कराने वाले जौनपुर के विकास सिंह विक्की ही पूर्व ब्यूरोक्र ट सिंडीकेट की काली कमाई को रियल एस्टेट में निवेश कर रहा था।

बीजेपी पूर्वांचल की अर्थव्यवस्था को पीछे ले जा रही : अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख बोले- मौजूदा सरकार में विकास कार्य ठप पड़ा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर करारा प्रहार किया है। सपा अध्यक्ष ने अपनी सरकार के काम गिनाते हुए कहा कि बीजेपी पूर्वांचल की अर्थव्यवस्था को पीछे ले जा रही है। विधायक सुधाकर सिंह के घर से लौट रहे थे। इस दौरान वो आजमगढ़ के सठियांव में स्थित पूर्व मंत्री चंद्रदेव राम यादव करैली के आवास पर पहुंचे। जहां उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र हमेशा समाजवादियों को मौका देता रहा है लेकिन, मौजूदा सरकार में विकास कार्य ठप पड़ गए हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार ने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने, बुनकरों को सुविधा देने, उद्योग लगाने और सस्ती बिजली मुहैया कराने के उद्देश्य से बनाया था, परंतु जिस क्वालिटी का काम होना चाहिए था वो नहीं हुआ. सरकार भ्रष्टाचार में लिप्त है और ठेकेदारों के माध्यम से घटिया काम करवा रही है। बीजेपी पर हमला बोलते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र सरकार नोटबंदी, जीएसटी और कोविड में जनता को उलझाती रही है। अब एसआईआर के नाम पर लोगों को परेशान किया जा रहा है। आधार को पहचान के तौर पर स्वीकार न करना सरकार की संदिग्ध नीति दर्शाता है। उन्होंने कहा कि संविधान प्रदाता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा दिए गए अधिकारों को भी खतरा पहुंचाया जा रहा है।

दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह को श्रद्धांजलि दी

समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव नेमऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट के दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह को मऊ में श्रद्धांजलि दी। अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, सहृदयता और सौहार्द की प्रतिमूर्ति घोसी के लोकप्रिय विधायक स्व.सुधाकर सिंह जी हम सबकी यादों में सदैव अमर रहेंगे। उनकी जनसेवा की यात्रा को हम सब समाजवादी एक परिवार की तरह मिलजुल कर घोसी में निरंतर रखेंगे।

सपा सरकार ने चीनी मिलें रिकॉर्ड समय में बनाई

सपा सरकार में सठियांव चीनी मिल रिकॉर्ड समय में बनाई गई थी, जो प्रदेश की सबसे आधुनिक मिलों में एक थी. उसका विस्तार होता तो एथेनॉल, बिजली, फर्टिलाइजर और बायो फर्टिलाइजर के उत्पादन से हजारों लोगों को रोजगार मिलता और स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत होती लेकिन सरकार की उदासीनता के चलते सभी परियोजनाएं ठप हो गईं।

सपा नेताओं पर झूठे मुकदमे लगाये जा रहे

अखिलेश यादव ने आजम खान, गायत्री प्रजापति और रामाकांत यादव जैसे नेताओं पर झूठे मुकदमे लगाकर परेशान करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सारथी ऐप के माध्यम से नॉर्थ कोरिया की तरह सरकार निगरानी के नाम पर लोगों की प्राइवेसी में दखल दे रही है और समाज में तनाव पैदा कर रही है।

जाम में फंसे पूर्व सीएम अखिलेश यादव

इसी बीच पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव अपने दिवंगत विधायक सुधाकर सिंह के घर मऊ जनपद घोसी जा रहे। ग्रामीणों के जाम में पूर्व सीएम अखिलेश यादव 40 मिनट तक फंसे रहे। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जिलाधिकारी आजमगढ़ रविन्द्र कुमार से फोन पर बात कर पीड़ित परिजनों मुआवजा दिलाने की बात की। साथ ही मृतका के पति जोखन राम को एक लाख रुपये की आर्थिक मदद की। वहीं, सांसद घोसी राजीव राय से कहा कि क्षेत्रीय विधायक मुबारकपुर अखिलेश पीड़ित परिजनों से मिलकर एक लाख रुपए चेक आर्थिक सहायता रूप में देंगे। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम खोल दिया। घटना स्थल पर जाम की समस्या की सूचना पर मौके पर प्रशासन में एसपी सीटी मधुबन सिंह सीओ सदर आस्था जयसवाल, सीओ सगड़ी के अलावा मुबारकपुर, जहानागंज, जीयनपुर, सिधारी सहित पांच थानो की पुलिस मौजूद रहीं।

आंध्र-तेलंगाना में सियासी तकरार

कोनासीमा पर बयान से भड़के तेलंगाना के मंत्री वेंकटरेड्डी

» आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री की टिप्पणी अस्वीकार्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के बीच राजनीतिक विवाद तब और बढ़ गया जब तेलंगाना के सिनेमैटोग्राफी मंत्री कोमाटिरेड्डी वेंकटरेड्डी ने चेतावनी दी कि पवन कल्याण की फिल्में राज्य में तब तक रिलीज़ नहीं होंगी जब तक वे कोनासीमा पर अपनी हालिया टिप्पणी के लिए माफ़ी नहीं मांग लेते।

वेंकटरेड्डी ने एक तीखा बयान जारी करते हुए कहा कि वह सिनेमैटोग्राफी मंत्री के तौर पर बोल रहे हैं और ज़ोर देकर कहा कि आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री की टिप्पणी अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा कि पवन कल्याण राजनीति में नए हो सकते हैं, लेकिन राज्य बनने के एक दशक से भी ज़्यादा समय बाद तेलंगाना को निशाना बनाकर बयान देना अनावश्यक था। उन्होंने आगे कहा कि हालाँकि चिरंजीवी ने कभी भी भड़काऊ टिप्पणी नहीं की, लेकिन पवन कल्याण की फिल्में बिना माफ़ी मांगे तेलंगाना में प्रतिबंधित कर दी जाएँगी। अगर वह माफ़ी माँग लेते हैं, तो निज़ाम क्षेत्र में उनकी फिल्में कम से कम कुछ दिन तो चल ही सकती हैं। विवाद पवन कल्याण की कोनासीमा यात्रा के दौरान शुरू हुआ, जहां आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ने दावा किया कि क्षेत्र के नारियल के बागानों को नुकसान हो रहा है क्योंकि तेलंगाना के लोगों की बुरी नजर कोनासीमा पर पड़ गई है और उन्होंने सुझाव दिया कि गोदावरी जिलों की समृद्धि राज्य के विभाजन के कारणों में से एक थी। उनकी यह टिप्पणी जल निकासी चैनलों में दरारों के कारण समुद्री जल के प्रवेश से प्रभावित बागानों का दौरा करते समय आई। विशेषज्ञों ने फसलों के नुकसान के लिए अंधविश्वास को नहीं, बल्कि पर्यावरण और बुनियादी ढाँचे की समस्याओं को जिम्मेदार ठहराया था।

इनेलो प्रमुख के अनुरोध वाली याचिका पर केंद्र को नोटिस

» अभय चौटाला ने की जेड-प्लस सुरक्षा की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) प्रमुख अभय सिंह चौटाला की जेड-प्लस या जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने के अनुरोध करने वाली याचिका पर मंगलवार को केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया।

चौटाला के वकील के अनुसार, उन्होंने मिल रही धमकियों के मद्देनजर जेड-प्लस या जेड श्रेणी की सुरक्षा प्रदान करने का अनुरोध करते हुए एक याचिका दायर की है। वकील ने कहा, अभय सिंह चौटाला ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की है, जिसमें दलील दी गई है कि उन्हें जेड-प्लस या जेड श्रेणी की सुरक्षा दी जानी

चाहिए, क्योंकि वर्तमान में उन्हें मिल रही 'वाई-प्लस' सुरक्षा अपर्याप्त है। उन्होंने कहा, वाई-प्लस सुरक्षा घेरे के बावजूद चौटाला को जान का लगातार खतरा बना हुआ है। जुलाई में कर्ण चौटाला (अभय चौटाला के बेटे) को एक फोन आया था और बाद में अभय के निजी सहायक को भी फोन आया था, जिसमें अभय चौटाला को सीधी धमकी दी गई थी। अभय के वकील संदीप गोयत ने अदालत में सुनवाई के बाद संवाददाताओं से कहा,इन धमकियों के बाद हमने हरियाणा सरकार, केंद्र सरकार और चंडीगढ़ प्रशासन को ज्ञापन दिया, लेकिन इन धमकियों के मद्देनजर जो कार्रवाई की जानी थी, वह नहीं की गई। उन्होंने कहा कि अभय चौटाला को उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्यप्रदेश सहित हरियाणा से बाहर भी यात्रा करनी पड़ती है तथा उनकी वर्तमान सुरक्षा अपर्याप्त है। अदालत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए केंद्र और हरियाणा सरकार सहित प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। गोयत ने बताया कि याचिका पर अगली सुनवाई के लिए 16 दिसंबर की तारीख तय की गई है।

ईसी को तानाशाह कहने पर प्रशांत भूषण पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एसआईआर को लेकर एक तरफ विपक्ष देशभर में जमकर विरोध कर रहा है तो वहीं दूसरी तरफ सुप्रीम कोर्ट में भी इसे लेकर गहमागहमी देखने को मिली है। इस मामले में सुनवाई के दौरान प्रशांत भूषण से सुप्रीम कोर्ट ने भड़कते हुए कहा कि वह अपनी दलीलें कानूनी दायरे में रहकर दें।

दरअसल, प्रशांत भूषण ने दलील देते समय चुनाव आयोग को तानाशाह कह दिया था। इसके बाद ही सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें कानूनी दायरे में रहने की हिदायत दी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह राजनीतिक पार्टियों की तरह तीखी बातों का जिक्र न करें। प्रशांत भूषण ने सुनवाई के दौरान कई बातें कहीं। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट को नए सिरे से तैयार करने का यह एक ऐसा काम है, जो पहले कभी नहीं हुआ। यह रिप्रेजेंटेशन ऑफ द पीपल एक्ट के तहत गलत है। काम को कम समय में पूरा करने की जल्दबाजी ने बीएलओ को बहुत ज्यादा मानसिक और शारीरिक तनाव में डाल दिया है, जिसके कारण उनमें से 30 ने आत्महत्या कर ली है। प्रशांत भूषण ने कहा कि बहुत से लोग ईसी को तानाशाह मानते हैं क्योंकि उसे नियमों और कानूनों की कोई परवाह नहीं है और वह अपनी मर्जी से वही करता है जो उसे सही लगता है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

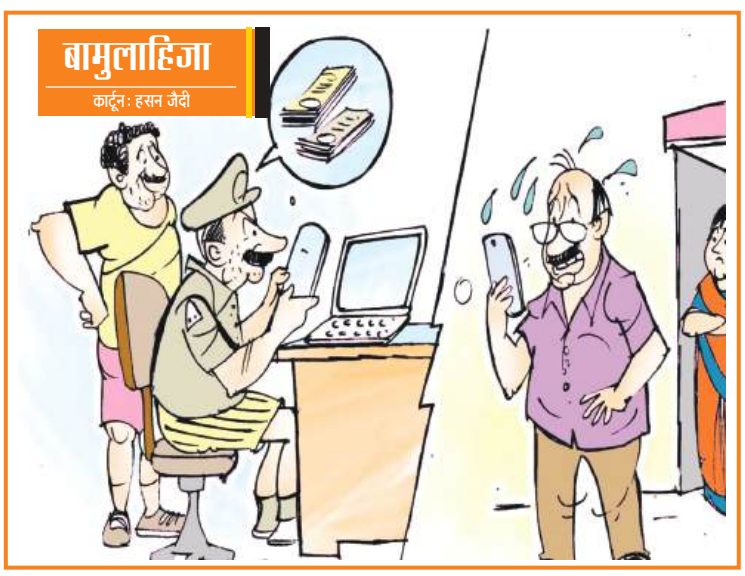

इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने से बचें : मणिकम

» नेहरू पर रक्षा मंत्री के बयान से कांग्रेस भड़की

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के एक बयान ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया है। हम आपको बता दें कि गुजरात यात्रा के दौरान रक्षा मंत्री ने दावा किया कि जवाहरलाल नेहरू सरकारी खजाने से बाबरी मस्जिद का निर्माण कराना चाहते थे और सरदार वल्लभभाई पटेल ने इसका विरोध किया था।

कांग्रेस ने इस बयान को पूर्णत: असत्य करार देते हुए कहा है कि वह नेहरू और पटेल की विरासत को विकृत नहीं होने देगी। साथ ही कांग्रेस ने कहा है कि राजनाथ सिंह अगर भारत की सामरिक चुनौतियों पर ध्यान देंगे तो बेहतर रहेगा। उन्हें इतिहास को तोड़ मरोड़ कर पेश करने की कोशिश करने से बचना चाहिए। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने कहा, इस दावे के समर्थन में एक भी दस्तावेज़ या अभिलेखीय प्रमाण मौजूद नहीं है। नेहरूजी ने स्पष्ट रूप से सरकारी धन से किसी भी धार्मिक स्थल, चाहे मंदिर हो या मस्जिद, के निर्माण या पुनर्निर्माण का विरोध किया था। उनका मानना था कि ऐसे कार्य केवल जनसहयोग से होने चाहिए, न कि राजकोष से। टैगोर ने नेहरू के उस ऐतिहासिक रुख का उल्लेख किया जिसमें उन्होंने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए सरकारी धन देने से इंकार किया था। उन्होंने कहा, यदि नेहरूजी ने करोड़ों लोगों की आस्था के प्रतीक सोमनाथ मंदिर के लिए भी सार्वजनिक धन देने से मना कर दिया था, तो वह भला बाबरी मस्जिद पर सरकारी पैसा खर्च करने की बात क्यों करते? यह दावा न तर्कसंगत है और न ही इतिहास के अनुकूल। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राजनाथ सिंह का बयान इतिहास नहीं बल्कि राजनीतिक लाभ के लिए अतीत को पुनर्लेखन है। उन्होंने कहा, बीजेपी की रणनीति साफ है— देश के संस्थापनकर्ताओं को बदनाम करो, मनगढ़ंत इतिहास गढ़ो और समाज में विभाजन बढ़ाओ। हम नेहरू और पटेल की विरासत को गोडसे के अनुयायियों द्वारा तोड़े-मरोड़े जाने नहीं देंगे।

किसानों को लेकर मप्र में फिर घमासान

पुलिस ने रोका तो कांग्रेस ने दिखाई ताकत

» प्रदेश कां ग्रेस ने कृषि मंत्री के घेरा

» कांग्रेस नेता उमंग सिंघार का प्रहार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र में किसानों को लेकर फिर घमासान मच गया है। मप्र के नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस नेता उमंग सिंघार ने कहा कि चिड़िया किसान का दाना खाकर मोटी हो गई। लेकिन सरकार किसानों पर चर्चा नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा कि किसानों को खाद नहीं मिल रही है। जब तक किसानों को मुआवजा नहीं मिलेगा, प्रदर्शन जारी रहेगा। बतादें किसानों की समस्याओं और कर्ज माफी के मुद्दे पर कांग्रेस विधायकों ने तीखा प्रदर्शन किया है। उनका आरोप है कि सरकार किसानों की दुर्दशा के बीच मस्ती में है और किसानों की समस्याओं पर कोई गंभीर कदम नहीं उठा रही।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस विधायकों ने 'चिड़िया चुग गई खेत' का सांकेतिक प्रदर्शन किया। वे हाथों में सांकेतिक चिड़िया लेकर विरोध जताते हुए पहुंचे और सरकार की निष्क्रियता को जिम्मेदार ठहराया। विधायकों का कहना है कि किसान कर्ज के बोझ तले दबे हैं, लेकिन सरकार राहत देने में नाकाम रही है। मध्य प्रदेश विधानसभा का शीतकालीन सत्र जारी है। वहीं, दूसरे दिन कांग्रेस ने हंगामा शुरू कर दिया। प्रदर्शन करके सरकार को घेर रही है। कांग्रेस विधायक फूल सिंह बरैया ने कहा कि अतिवृष्टि में जो किसानों का नुकसान हुआ है। सरकार उसका मुआवजा नहीं दे रही है। किसानों को न मंडी में भाव मिल रहा है न उन्हें खाद मिल रही है। किसान लगातार मजबूर है लेकिन सरकार सुनने को तैयार नहीं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर किसानों की समस्याओं का समाधान जल्द नहीं किया गया तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। वहीं भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव प्रक्रिया चुनाव आयोग कर रहा है, न कि भाजपा। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस बेवजह आरोप लगाती है। रामेश्वर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस पाकिस्तान की भाषा बोलती है। पाकिस्तान में जो बोला जाता है, राहुल गांधी अगले दिन भारत में वही बयान देते हैं। किसानों के मुद्दे पर कांग्रेस के प्रदर्शन को लेकर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी किसानों के लिए कुछ नहीं किया, जबकि भाजपा सरकार किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से लेकर कई योजनाओं का लाभ दे रही है।

पटवारी भी करते रहे आंदोलन

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी किसानों के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सरकारी आवास पर अचानक पहुंचे थे। किसानों की फसलों के उचित दाम न मिलने और भावांतर योजना की जगह सीधा समर्थन मूल्य देने की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किया गया था। पुलिस ने रोका रोका तो पटवारी पीसीसी से पैदल ही निकल पड़े थे। भोपाल में सियासत उस समय गरमा गई जब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी किसानों के साथ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के सरकारी आवास पर अचानक पहुंच गए थे किसानों की फसलों के उचित दाम न मिलने और भावांतर योजना की जगह सीधा समर्थन मूल्य देने की मांग को लेकर यह प्रदर्शन किया गया। खास बाद यह है कि जब पुलिस ने कांग्रेसियों को रोकने की कोशिश की तो पटवारी पीसीसी से पैदल बंगले तक गए। और इस दौरान अनाज को बोरियां भी साथ में लिए हुए थे।

पीसीसी दफ्तर से निकला था पैदल मार्च

इससे पहले किसान कांग्रेस अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह चौहान के नेतृत्व में करीब डेढ़ दर्जन किसान कांग्रेस कार्यालय पहुंचे और जीतू पटवारी से मुलाकात की। इसके बाद सभी ने मिलकर शिवराज सिंह से मिलने का फैसला लिया। जैसे ही यह जत्था रेड क्रॉस चौराहे की ओर बढ़ा, पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रोकने की कोशिश की। कई बार वाहन और अवरोधक लगाकर कांग्रेसियों को रोका गया, लेकिन जीतू पटवारी पुलिस को चकमा देते हुए लगातार आगे बढ़ते रहे।शिवराज के बंगले के सामने बिखेरा गया गेहूं, नारेबाजी के बीच भिड़ंत प्रदर्शनकारियों ने शिवराज के बंगले के सामने सड़क पर गेहूं की बोरियां खाली कर दी और सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना था कि सरकार किसानों को ठग रही है, और बार-बार सिर्फ वादे किए जा रहे हैं, जबकि जमीनी स्तर पर राहत नहीं मिल रही।

कांग्रेस का आरोप-किसानों के साथ धोखा

जीतू पटवारी ने कहा कि पूर्व में बतौर मुख्यमंत्री और अब कृषि मंत्री के रूप में शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को केवल भावांतर योजना के जरिए ठगा है। उन्होंने मांग की कि किसानों को फसल का उचित मूल्य सीधा दिया जाए, न कि फॉर्मूला आधारित छूट देकर भ्रम फैलाया जाए।

प्रदेश कांग्रेस पर एफआईआर दर्ज हुई थी

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख डॉ. मुकेश नायक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी मामला बिना अनुमति के धरना प्रदर्शन करने और शासकीय कार्य में बाधा डालने को लेकर दर्ज किया गया था। यह कार्रवाई टीटी नगर थाना पुलिस द्वारा की गई थी।

शिवराज खुद आए बाहर, नेताओं को घर के भीतर बुलाया

आखिरकार जब प्रदर्शनकारी शिवराज सिंह चौहान के आवास तक पहुंच गए, तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई। एक बोरी फटने से अनाज सड़क पर फैल गया, और कांग्रेस कार्यकर्ता वहीं बैठकर नारे लगाने लगे। इस बीच केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह खुद बाहर आए और जीतू पटवारी समेत कुछ नेताओं को बातचीत के लिए भीतर बुलाया। दोनों पक्षों के बीच कुछ देर चर्चा चली, लेकिन बाहर मौजूद कार्यकर्ता बंगले के अंदर जाने की जिद करते रहे, जिससे मौके पर पुलिस और कार्यकर्ताओं में हल्की झड़प भी हुई।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव में धांधली पर बवाल

» कई जिलों में मतदान स्थगित

» 20 दिसंबर को नई तारीख सियासी दलों में भी खींचतान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव सियासी दलों की सियासी रसूख के लिए आवश्यक कदम है। दोनों गठबंधनों में चनाव से पहले ही रसाकसी चलती रही। इस बीच एक दूसरे पर वार पलटवार होता रहा। अब आपसी खींचतान की वजह से कई नगरनिकाय के मतदान टाल दिए गए है। नामांकन अस्वीकृति में अनियमितताओं के कारण कई जिलों में मतदान 20 दिसंबर तक टाल दिया गया है, जिससे 25 से अधिक नगर निगमों के चुनाव प्रभावित हुए हैं।

वहीं, पालघर में टिकट के लिए पैसे मांगने को लेकर भाजपा के दो गुटों में झड़प हो गई, जिससे चुनावी माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया है। महाराष्ट्र के कई ज़िलों में 25 से ज़्यादा नगर निगमों के चुनाव राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) द्वारा अस्वीकृत नामांकन पत्रों से संबंधित अपील प्रक्रिया में व्यापक अनियमितताओं का पता चलने के बाद स्थगित कर दिए गए हैं। पहले 2 दिसंबर को होने वाले मतदान अब इन क्षेत्रों में 20 दिसंबर को होंगे। शेष सभी नगर परिषदों और नगर पंचायतों के लिए मतदान पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को सुबह 7: 30 बजे से शाम 5:30 बजे तक जारी रहेगा। इन निकायों के परिणाम 3 दिसंबर को घोषित किए जाएँगे। एसईसी ने ठाणे, बारामती, अमरावती, अहिल्यानगर, नांदेड़, सोलापुर, यवतमाल, धाराशिव, चंद्रपुर, अकोल और पुणे सहित कई स्थानों पर मतदान स्थगित कर दिया है। चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में पहुंचने के साथ ही यह निर्णय कई उम्मीदवारों के लिए बड़ा झटका साबित हुआ।

आचार संहिता की भी डेट बढ़ी

वहीं एग्जिट पोल 20 दिसंबर को चुनाव खत्म होते ही आधे घंटे बाद घोषित किए जा सकते हैं। आचार संहिता भी 20 दिसंबर तक लागू रहेगी। कोर्ट ने कहा है कि जहां चुनाव रद्द हुए हैं, वहां के उम्मीदवारों को पहले मिले चुनाव चिन्ह कायम रहेंगे। महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) ने पुणे जिले में कई नगर परिषदों में चुनाव स्थगित कर दिए हैं, क्योंकि जिला न्यायालय द्वारा प्रमुख अपीलों पर आदेश आयोग की निर्धारित समय सीमा के बाद दिए गए थे।

निकाय चुनाव के नतीजे के लिए नई तारीख जारी

महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनाव के रिजल्ट्स की तारीखों पर बड़ा अपडेट आया है. बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर खंडपीठ ने न सिर्फ मतगणना की तारीख आगे बढ़ाई है बल्कि आचार संहिता लागू होने की तिथि भी आगे बढ़ा दी है। उच्च न्यायालय की नागपुर खंडपीठ ने आदेश दिया है कि सभी नगरपरिषद और नगर पंचायत चुनावों के नतीजे अब 21 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे। कुछ नगरपरिषदों से जुड़े मामलों की सुनवाई न्यायालय में लंबित होने के कारण राज्य की लगभग 20 नगरपरिषदों का मतदान टाला गया था। यह चुनाव अब 20 दिसंबर को होगा। याचिका में मांग की गई थी कि सभी चुनावों के नतीजे एक ही दिन घोषित किए जाएं, अन्यथा 20 नगरपरिषदों के नतीजों पर असर पड़ सकता है। सभी पक्षों के युक्तिवाद सुनकर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने निर्देश दिया कि आज जहां मतदान हुआ हो, उन सभी के नतीजे 21 दिसंबर को ही घोषित किए जाएं।

रुपये मांगने को लेकर भाजपा के दो समूहों के बीच झड़प

वहीं, महाराष्ट्र के पालघर में आगामी स्थानीय निकाय चुनाव में टिकट के लिए कथित रूप से 10 लाख रुपये मांगने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दो समूहों के बीच झड़प हो गई। पुलिस अधिकारियों ने गैर-संज्ञेय शिकायत (एनसी) में दर्ज विवरण के हवाले से बताया कि भाजपा की शहर इकाई के पूर्व अध्यक्ष अशोक अंबुरे ने चुनाव लड़ने की इच्छुक पार्टी कार्यकर्ता वैशाली चव्हाण से कथित रूप से 10 लाख रुपये मांगे थे। चव्हाण का समर्थन कर रहे समूह ने अपनी शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि लोकमान्य नगर क्षेत्र में शनिवार को हुई इस झड़प के दौरान अंबुरे और उनके सहयोगियों ने उनसे छेड़छाड़ की और लाठियों से हमला किया। स्थानीय सांसद हेमंत सावरा और भाजपा की पालघर जिला इकाई के अध्यक्ष भरत राजपूत द्वारा बीच-बचाव की कोशिश किए जाने के बावजूद दोनों पक्ष पुलिस के पास पहुंचे और उन्होंने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए। उल्लेखनीय है कि अंबुरे की पत्नी वार्ड संख्या 14 से चुनाव लड़ रही हैं। एक पुलिस अधिकारी के अनुसार दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर एनसी दर्ज की गई है। मामले की जांच जारी है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सावधान,आया ठंड बढ़े हार्टअटैक के खतरे

अकेले भारत में प्रतिवर्ष लगभग 28 प्रतिशत मौतें हृदय रोगों से होती हैं। आधुनिक युग को यदि सुविधाओं और संसाधनों का युग कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी, लेकिन इन सुविधाओं और विलासिताओं की कीमत भी समाज को चुकानी पड़ रही है। मशीनों और तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, परंतु इसके साथ ही ऐसी अनेक जीवनशैली-जनित बीमारियों को जन्म दिया है जो पहले दुर्लभ थीं।

ठंड बढ़ते ही दिल के दौरे पड़ने की घटनाएं बढ़ने लगती हैं। भारत ही नहीं पूरी दुनिया में इस समय हार्टअटैक से मौत की खबरें आना आम बात हो गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में हृदय रोगों के कारण विश्वभर में लगभग 1.8 करोड़ लोगों की मृत्यु हुई। यह आंकड़ा किसी भी अन्य बीमारी से कहीं अधिक है। अकेले भारत में प्रतिवर्ष लगभग 28 प्रतिशत मौतें हृदय रोगों से होती हैं। आधुनिक युग को यदि सुविधाओं और संसाधनों का युग कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी, लेकिन इन सुविधाओं और विलासिताओं की कीमत भी समाज को चुकानी पड़ रही है। मशीनों और तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, परंतु इसके साथ ही ऐसी अनेक जीवनशैली-जनित बीमारियों को जन्म दिया है जो पहले दुर्लभ थीं।

इन बीमारियों में सबसे बड़ी और भयावह बीमारी है-दिल का रोग। दिल की बीमारियाँ आज विश्व में असमय मृत्यु का सबसे बड़ा कारण बन चुकी हैं और भारत भी इससे अछूता नहीं है। हाल ही में जारी कॉजेज ऑफ डेथ इन इंडिया 2021-23 की रिपोर्ट इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट करती है। पहले जहाँ माना जाता था कि हृदय रोग और दिल के दौरे बुजुर्गों की बीमारी है, वहीं अब स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। रिपोर्ट में बताया गया है कि अब 30 वर्ष से अधिक आयु के लोगों में हृदयाघात से होने वाली मौतें तेजी से बढ़ रही हैं। यानी युवाओं में दिल का दौरा अब असामान्य नहीं, बल्कि आम होता जा रहा है। यह न केवल चिकित्सा जगत के लिए चिंता का विषय है बल्कि समाज और परिवार के लिए भी गहरी चिंता का कारण है। अकेले भारत में प्रतिवर्ष लगभग 28 प्रतिशत मौतें हृदय रोगों से होती हैं। इसका अर्थ यह है कि हर चौथा भारतीय हृदयाघात या उससे जुड़ी बीमारी का शिकार होकर अकाल मृत्यु का सामना कर रहा है। शहरी क्षेत्रों में यह दर और भी अधिक है क्योंकि वहाँ तनाव, प्रदूषण, अस्वस्थ भोजन और व्यायाम की कमी का प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कहीं ज्यादा है। विशेष चिंता की बात यह है कि भारत में 40 प्रतिशत से अधिक दिल के दौरे 40 वर्ष से कम आयु में आ रहे हैं। यह आंकड़ा अमेरिका और यूरोप जैसे विकसित देशों से कहीं अधिक है, जहाँ यह दर 10 से 15 प्रतिशत के बीच है। इस तथ्य से स्पष्ट है कि भारतीय युवा पीढ़ी का हृदय पहले से कहीं अधिक असुरक्षित एवं खतरे में है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लाल किला विस्फोट से उठे कुछ सवाल और सबक

गुरबचन जगत

नई दिल्ली में हुए कार विस्फोट को कुछ अर्सा बीत चुका है। काफी वक्त बीत चुका और जांच ने रफ्तार एवं दिशा पकड़ ली है। हमले संबंधी अलग-अलग थ्योरियों को समझाने और खुलासे करने के लिए इतना समय पर्याप्त है। लाल किले के गेट के पास हुआ विस्फोट दहलाने वाला और धृष्टता रोंगटे खड़े करने वाली थी। जो बात एकदम दिमाग में आती है वह यह है कि योजनाएं लंबे समय से बन रही होंगी; प्रोफेशनल्स (अधिकतर डॉक्टर) को इसे अंजाम देने के लिए मानसिक रूप से तैयार किया गया, और इसमें काफी समय लगता है। उच्च-स्तरीय विस्फोटक बनाने के लिए सामग्री इकट्ठा की गई, आसानी से उपलब्ध कैमिकल से बम बनाने का बढ़िया प्रशिक्षण दिया गया (यह फिल्मों में दिखाए जाने वाले काम जितना आसान नहीं,बल्कि इसके लिए बहुत कौशल चाहिए)।

टार्गेट चुने गए, रेकी की गई और एक साथ कई इलाकों में बड़े पैमाने के हमले करने के लिए इस जाल के सब धागों के साथ सामंजस्य स्थापित किया गया। ऐसा लगता है कि इस बार हमारी पुलिस और खुफिया एजेंसियां पूरी तरह बेखबर थीं और एक बहुत खतरनाक दुश्मन संगठन के मंसूबों और गतिविधियों को पकड़ नहीं पाईं। यह सिर्फ जम्मू एवं कश्मीर पुलिस की कारगुजारी रही, जिसने भारी मात्रा में अमोनियम नाइट्रेट पकड़ा, जिससे आगे चलकर आतंकवादियों के एक जटिल और बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ और दिल्ली एवं अन्य जगहों पर तबाही मचाने की उनकी नापाक योजना का पता चल सका। ऐसा लगता है कि ये आतंकवादी तुर्की और पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स के साथ समन्वय बनाकर काम कर रहे थे। गतिविधियों का केंद्र फरीदाबाद स्थित अल फलाह मेडिकल कॉलेज लगता है, और कथित तौर पर इसका उद्गम स्थल कश्मीर है। कतिपय कारणों से, प्रशासन में बैठे लोग जम्मू-कश्मीर से स्थानीय आतंकवादियों का सफाया कर दिए जाने का दावा करते रहते हैं। जाहिर है, इस हमले से उनके दावे की कलई खुल गई और इस सिलसिले में आयेदिन जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, इत्यादि में नए खुलासे, नई धरपकड़ एवं गिरफ्तारियां हो रही हैं।

जाहिर है, पकड़े गए लोगों से पूछताछ ही इन हिरासतों और बरामदगी का आधार है। मुझे इस बात की चिंता है कि प्रथम विचार से लेकर लोगों को प्रशिक्षित करने तक, सामग्री खरीदना, टार्गेट चुनना और लोगों एवं सामान की

तैनाती, यह एक मुश्किल और समय लेने वाला काम है, जिसे अत्यंत गुपचुप तरीके से अंजाम दिया गया। ज़्यादातर काम पूरे हो चुके थे और आखिरी दांव चलने को था, लेकिन हम बहुत बड़ी तबाही देखने से बच गए, हालांकि, यहां गौरतलब कि शुरुआती कामयाबी जम्मू-कश्मीर पुलिस के यत्नों से मिली, जिसने फरीदाबाद में विस्फोटक सामग्री का एक बड़ा जखीरा ढूंढ़ निकाला। बढ़िया पुलिस कारगुजारी यही होती है। अगला स्वाभाविक प्रश्न जो साफ तौर पर उठता है वह यह कि इस किस्म के कितने आतंकी समूह अभी भी सक्रिय हैं? उनकी संरचना और संभावित निशाने क्या हैं? इन कुकृत्यों के असली गुनहगार कौन हैं? उम्मीद है, ये प्रश्न हमारे देश के संबंधित अधिकारियों और संगठनों को चौबीसों घंटे काम करते रहने के लिए प्रेरित करेंगे, क्योंकि दूसरा कोई विकल्प समझ में नहीं आता। आज, जब स्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हैं, तो ऐसे और हमले होने की आशंका हो सकती है। हमें न सिर्फ अंदरूनी तौर पर पैदा हुए आतंकियों पर नज़र रखनी है, बल्कि अपने पड़ोसियों पर भी निगाह रखनी होगी। पाकिस्तानी हमेशा से सक्रिय रहे हैं, और अमेरिकी मदद से उनकी दुम ऊपर को उठी लगती है; हमें याद रखना चाहिए कि जम्मू-कश्मीर और कुछ दूसरे राज्यों में भी, सतह के ऊपर और भूमिगत रहकर काम करने वाला उनका नेटवर्क हमेशा से रहा है। अखबार उत्तर भारत के राज्यों में हो रही विस्फोटक सामग्री की बरामदगी की खबरों से भरे पड़े हैं। इसमें बांग्लादेश से साथ बनी नई दुश्मनी और उसके साथ हमारी काफी नाजुक और खुली सीमा को जोड़ दें... तो समस्या कई गुना बढ़ जाती है। अब हमें उत्तर-पूर्व में भी अवश्य सावधान रहना होगा।

मीडिया में जो नया और हैरान करने वाला फैक्टर सामने आया है, वह है तुर्की की भागीदारी। वह जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थक रहा है, लेकिन यह पहली बार है जब यह आरोप लगा है कि आतंकवादी अपने हैंडलरों से मिलने तुर्की गए थे... इस पर ध्यानपूर्वक नजर रखने की ज़रूरत है। मैंने जानबूझकर चीनी फैक्टर के बारे में बात करने से परहेज किया है क्योंकि हमेशा की तरह वे पड़ताल से परे और रहस्यमयी हैं, लेकिन निश्चित रूप से यह बात हमारे लिए फायदेमंद नहीं। तो, कुल मिलाकर, जांच अब तक अच्छे नतीजे दे रही है और एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है।

पौष्टिक आहार के अक्षय पात्र का वृहद् विस्तार

उमेश चतुर्वेदी

अक्षय पात्र का भूखे, बेसहारा, गरीब, बेघर बुजुर्ग माताओं, आंगनबाड़ी और स्कूली बच्चों की भूख मिटाने को 2000 में शुरू हुआ संकल्प आज चौथाई सदी की यात्रा पूरी कर चुका है। जो सोलह राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 24 लाख बच्चों को स्कूलों में भोजन करा रहा है।

महाभारत की एक कथा के अनुसार जब वनवास के दौरान पांडव सूर्य की उपासना करते हैं। सूर्य देव प्रसन्न होकर युधिष्ठिर को अक्षय पात्र देते हैं, जिसका भोजन कभी खत्म ही नहीं होता। इस्कॉन का अक्षय पात्र भी पांडवों के अक्षय पात्र की तरह हो गया है-भूखे, बेसहारा, गरीब, बेघर बुजुर्ग माताओं, आंगनबाड़ी और स्कूली बच्चों की भूख मिटाने का आज यह बड़ा सहारा बन गया है। साल 2000 में शुरू हुआ यह संकल्प आज चौथाई सदी की यात्रा पूरी कर चुका है। अक्षय पात्र सोलह राज्यों और तीन केंद्रशासित प्रदेशों के करीब 24 लाख बच्चों को नियमित रूप से उनके स्कूलों में भोजन करा रहा है। साल 2001 में सर्वोच्च न्यायालय ने स्कूली बच्चों को मध्याह्न भोजन योजना लागू करने का आदेश दिया। देश की सर्वोच्च अदालत में दायर एक जनहित याचिका में कहा गया था कि खाद्य निगम के गोदामों में काफी मात्रा में अन्न सड़ जाता है।

उस अन्न के जरिए मध्याह्न भोजन योजना लागू की जा सकती है। सर्वोच्च न्यायालय को यह तर्क जंचा और उसके ही आदेश पर समूचे देश के स्कूलों में दोपहर में बना हुआ भोजन देना जरूरी कर दिया गया। इसके पहले केंद्र की नरसिंह राव सरकार ने 15 अगस्त, 1995 को राष्ट्रीय पोषण योजना के तहत चुने हुए ब्लॉकों में शुरुआत की थी, जिसके तहत स्कूली बच्चों को मध्याह्न भोजन मुहैया कराना शुरू हुआ। बाद में इसके तहत बच्चों को मुफ्त चावल दिया जाने लगा। अक्षय पात्र फाउंडेशन की शुरुआत के पीछे अंतरराष्ट्रीय श्रीकृष्ण भावनामृत संघ यानी इस्कॉन के संस्थापक स्वामी प्रभुपाद का भी एक संकल्प कार्य कर रहा है। स्वामी प्रभुपाद पश्चिम बंगाल के मायापुर में भगवान कृष्ण के भजन में लीन रहते थे। एक बार उन्होंने अपनी खिड़की से देखा, कूड़े में फेंके गए भोजन को लेकर कुत्ते और कुछ बच्चों में खींचतान चल रही थी। यह कारुणिक दृश्य देखकर प्रभुपाद परेशान हो गए। उन्होंने तब संकल्प लिया कि वे ऐसी व्यवस्था करेंगे, जिसकी वजह से उनके आसपास कोई भूखा रहने को मजबूर न हो सके। इस्कॉन के मंदिरों में यह व्यवस्था अहर्निश अब तक जारी है।

बहरहाल, दीन-दुखियों, बच्चों, विधवा और बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरुषों, स्कूली बच्चों और आंगनबाड़ी में आने वाले बच्चों को भोजन मुहैया कराने के लिए इस्कॉन से जुड़े दो संतों ने अक्षय पात्र की स्थापना 2000 में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू में की। इस्कॉन से जुड़े मधु पंडित दास और चंचलापति दास ने मिलकर अक्षय पात्र फाउंडेशन की स्थापना की। पहले साल इस योजना के तहत बेंगलुरू के पांच स्कूलों के 1,500 बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया गया। तब से फाउंडेशन कार्य कर रहा है। अक्षय पात्र योजना का उद्देश्य कुपोषित बच्चों को भोजन मुहैया कराना और उन्हें शिक्षा हासिल करने में सहयोगी बनना है। कालांतर में संस्था का विस्तार तेजी से हुआ। अक्षय पात्र के जरिए अब तक चार अरब से ज्यादा थालियां खिलाई जा चुकी हैं। अक्षय पात्र की पहुंच आज 23,978 से अधिक स्कूलों तक हो गई है।

इस साल मार्च में अक्षय पात्र ने अपना 78वां रसोईघर स्थापित किया। अक्षय पात्र फाउंडेशन दान दाताओं से मिले सहयोग पर भी निर्भर है। अक्षय पात्र ने न सिर्फ भोजन की गुणवत्ता बेहतर बनाए रखी है, बल्कि पौष्टिकता और पोषण का भी ध्यान रखा है। उसके पास जो 78 रसोईघर हैं, वे पूरी तरह मशीनीकृत हैं। उनमें स्वच्छता का पूरा ध्यान रखा जाता है। सैकड़ों लोगों द्वारा तैयार भोजन को स्कूलों और आंगनबाड़ियों को पूरी तरह एयर कंडिशंड व्यवस्था में भेजा जाता है। भोजन में तेल, सब्जी, आटा, दाल, चावल, मसाले आदि जिस भी चीज का इस्तेमाल होता है, उनकी गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाता है। इतना ही नहीं, भोजन का मेन्यू भी एक ही नहीं होता। भोजन मेन्यू रोजाना अलग-अलग होता है।

संस्था का मकसद उद्देश्य पौष्टिक और गुणवत्ता युक्त भोजन मुहैया कराकर स्कूली बच्चों की सेहत का ध्यान तो रखना ही है, उनकी पढ़ाई की गुणवत्ता को निर्बाध रखना है। अध्ययन बताते हैं कि दोपहर का भोजन मिलने के बाद स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की संख्या में गिरावट आई है। साल 2003 में अक्षय पात्र फाउंडेशन को मध्याह्न भोजन योजना का भागीदार बनाया गया। इसी साल पहली बार फाउंडेशन ने कर्नाटक सरकार के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया। इसके बाद कर्नाटक के हुबली, मैसूर और मंगलुरु के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के वृंदावन और राजस्थान के जयपुर जैसे अन्य स्थानों पर भी और अधिक रसोइयां स्थापित की गईं। इसी साल अगस्त में रेल गाड़ियों और स्टेशनों पर भोजन आदि की व्यवस्था करने वाले रेलवे के आईआरसीसीटी के साथ अक्षय पात्र ने समझौता किया है। इसके तहत चुनींदा स्टेशनों और रूटों पर रेल यात्रियों को अक्षय पात्र की थाली मिलने लगी है। निस्संदेह अगर दानदाता आगे आते रहे तो दूसरे इलाकों में भी स्कूली और आंगनबाड़ी के बच्चों को भी भोजन मुहैया कराया जा सकता है।

किचन के मसालों से बनेगा बेदाग चेहरा

अगर आप भी बिना पार्लर जाए और महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल के बिना घर बैठे ग्लोइंग स्किन पाना चाहते हैं, तो आपको अपनी रसोई की मसालदानी पर जरूर एक नजर डालनी चाहिए। जी हां, आपकी किचन में रोजाना इस्तेमाल होने वाले मसाले सिर्फ खाने का स्वाद बढ़ाने का काम नहीं करते, बल्कि ये आपकी त्वचा की खूबसूरती को निखारने में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। रसोई में रखें कई मसाले एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होते हैं जो मुंहासे, झाइयों, टैनिंग और डार्क स्पॉट्स जैसी समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। जिससे आप घर बैठे ही नेचुरल ग्लोइंग स्किन पा सकें।

मेथी

ये खाने में काफी कड़वी होती है, लेकिन स्किन के लिए ये काफी अच्छी मानी जाती है। खासतौर पर जिन लोगों की स्किन ऑयली होती है, उनके लिए तो ये रामबाण है, क्योंकि मेथी दाना झुर्रियों और फाइन लाइंस को कम करने का काम करता है। इसका इस्तेमाल रातभर भिगोने के बाद किया जाता है, इससे ये ज्यादा असरदार हो जाती है। इसके अलावा मेथी ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करती है। यह कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी पाचन संबंधी समस्याओं से राहत दिलाती है। मेथी खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद कर सकती है।

काली मिर्च

अगर आपकी मसालेदानी में कार्ली मिर्च है तो इसका इस्तेमाल भी आप अपने चेहरे पर कर सकते हैं। दरअसल, काली मिर्च को ब्लैकहेड्स हटाने में सहायक माना जाता है। ये स्किन को डीप क्लीन करता है। स्क्रब की तरह इसका इसका इस्तेमाल करके आप अपना चेहरा चमका सकते हैं। इसके अलावा काली मिर्च पाचन और भूख को बेहतर बनाने में मदद करती है और पेट की समस्याओं को कम कर सकती है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण सर्दी और खांसी के लक्षणों से राहत दिलाते हैं।

लौंग

यदि आपके चेहरे पर काफी ज्यादा मुंहासे और इंफेक्शन हो रहा है तो लौंग का इस्तेमाल करें। इसका तेल खासतौर पर मुंहासों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है। ऐसे में आप इसका इस्तेमाल तेल या फेसपैक के रूप में कर सकते हैं। इससे भी आपका चेहरा चमक जाएगा। इसके अलावा लौंग पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करने, गैस और सूजन को कम करने में मदद करती है। यह पेट की समस्याओं जैसे एसिडिटी, कब्ज और पेट के कीड़ों में भी फायदेमंद है। लौंग दांत दर्द से राहत देती है और मुंह में बैक्टीरिया को कम करके सांसों को ताज़ा रखती है।

हल्दी

हर भारतीय रसोई में कुछ हो या न हो, लेकिन हल्दी तो अवश्य ही होती है। ये एंटीसेप्टिक और एंटी-बैक्टीरियल होती है, इसलिए इसका इस्तेमाल चेहरे से मुंहासों और दाग-धब्बों को हटाने में किया जाता है। बेसन और दही के साथ हल्दी मिलाकर फेसपैक बनाया जाता है, जो स्किन को दमकाने का काम करता है। इसके अलावा हल्दी में करक्यूमिन नामक एक यौगिक होता है, जिसमें शक्तिशाली सूजन-रोधी गुण होते हैं, जो शरीर की सूजन और दर्द को कम करने में मदद करते हैं। हल्दी फ्री रेडिकल्स से लड़कर कोशिकाओं को होने वाले नुकसान से बचाती है, जिससे उम्र बढ़ने और पुरानी बीमारियों का खतरा कम होता है। यह शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करती है, जिससे संक्रमणों से बचाव होता है।

दालचीनी

स्वास्थ्य को बेहतर बनाने वाली दालचीनी चेहरे पर ग्लो लाने में भी मदद करती है। इसके लिए शहद के साथ मिक्स करके मास्क तैयार किया जाता है। दालचीनी के इस्तेमाल से स्किन का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है, जोकि चेहरे पर ग्लो लाने में मदद करता है। ये भी आपको आसानी से मिल जाएगी। इसके अलावा दालचीनी इंसुलिन की संवेदनशीलता को बढ़ाकर और शरीर को ग्लूकोज का बेहतर उपयोग करने में मदद करके रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायक है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाने में मदद कर सकती है, जिससे हृदय रोगों का खतरा कम होता है। दालचीनी में सूजन-रोधी गुण होते हैं जो शरीर में सूजन को कम करने में मदद करते हैं। यह पाचन एंजाइमों को उत्तेजित करके अपच, गैस और सूजन को कम करने में मदद कर सकती है।

हंसना मना है

एक नेता जी नाव से कहीं जा रहे थे कि अचानक जोरदार तूफान आया और उनकी नाव पलट गई। नेता जी को तैरना नहीं आता था। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की, ईश्वर अगर मुझे बचा लेंगे, तो मैं गरीबों में 21 किलो लड्डू बाटूंगा। फिर जोर से हवा चली और एक बड़ी लहर के साथ एक पेड़ बहता हुआ आ गया। नेता जी ने उसका सहारा लेकर तैरने लगे। जब किनारा नजदीक आया, तो चिल्लाए, कौन से लड्डू, कैसे लड्डू? फिर जोर से एक लहर आई और उनके हाथ से लकड़ी छूट गई। नेता जी बोले, अरे भड़क क्यों रहे हो? मैं तो बस ये पूछ रहा हूं कि लड्डू बेसन के या बूंदी के?

बंता- तेरी बीवी ने तुझे घर से क्यों निकाला? संता- भाई तेरे कहने पर उसे चैन गिफ्ट की थी, इसीलिए निकाला। बंता- चांदी की थी क्या? संता- नहीं साइकिल की थी।

एक पार्टी में एक सज्जन ने खुद नजदीक खड़े इंसान से कहा-'औरत भी अजीब वस्तु है। कुछ देर पहले तक वह सामने वाली स्त्री मुझे देख मुस्करा रही थी एवं अब ऐसे घूर रही है, जैसे कच्चा ही चबा जाएगी। जी हां, मेरी पत्नी का मूड इसी तरह बदलता रहता है। नजदीक खड़े इंसान ने उत्तर दिया।

कहानी | हंस और मूर्ख कछुआ

एक जंगल एक तलाब था, जहां जानवर अपनी प्यास बुझाया करते थे। उसी तालाब में एक कछुआ भी रहता था। वह फालतू की बातें बहुत करता था, इसलिए सभी जानवरों ने उसका नाम बातूनी कछुआ रखा था, लेकिन दो हंस उसके बहुत अच्छे दोस्त थे, जो हमेशा उसका भला चाहते थे। एक बार गर्मी के मौसम में तालाब का पानी धीरे-धीरे सूखने लगा। जानवर पानी पीने के लिए तरसने लगे। हंसों ने कछुए से कहा कि इस तालाब का पानी कम हो रहा है और हो सकता है कि यह बहुत जल्दी सूख जाए। तुम्हें यह तालाब छोड़कर कहीं और चले जाना चाहिए। इस पर कछुए ने कहा कि मैं यह तालाब छोड़कर कैसे जा सकता हूं और यहां आसपास कोई तालाब भी नहीं है, लेकिन हंस अपने दोस्त का भला चाहते थे। उन्होंने अपने दोस्त की मदद करने के लिए एक तरकीब निकाली। दोनों हंसों ने कहा कि हम एक लकड़ी लेकर आते हैं, तुम अपने मुंह से उसे बीच में से पकड़ लेना और लकड़ी का एक-एक सिरा हम दोनों पकड़कर तुम्हें यहां से दूर एक बड़े तालाब में ले जाएंगे। उस तलाब में बहुत सारा पानी है और वो कभी नहीं सूखता। कछुआ उनकी बात मान गया और हंसों के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। उड़ने से पहले हंसों ने उसे चेतावनी दी कि वह रास्ते में कुछ भी न बोले। जब हम बड़े तालाब पर पहुंच जाएंगे, तब ही बोल सकता है। कछुए ने हां में उत्तर दिया और लकड़ी को पकड़ लिया। वो दोनों हंस उड़ चले। वो उड़ते हुए एक गांव के ऊपर से निकले। गांव वालों ने ऐसा पहली बार देखा था। सभी तालियां बजाने लगे। यह देखकर कछुए से रहा नहीं गया और बोला कि नीचे क्या हो रहा है? जैसे ही उसने बोलने के लिए मुंह खोला उसके मुंह से लकड़ी छूट गई और वो नीचे गिर गया। ऊंचाई से नीचे गिरने की वजह से कछुआ मर गया और हंस अफसोस करते हुए वहां से चले गए।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे।

वृषभ

व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। धैर्य रखें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग परेशानी का कारण रह सकता है।

मिथुन

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बेवजह कहासुनी हो सकती है। कानूनी अड़चन दूर होगी। व्यापार में वृद्धि होगी।

कर्क

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। शत्रु पस्त होंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल होंगे। निवेश शुभ रहेगा।

सिंह

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। दुष्टजनों से दूरी बनाए रखें। निवेश शुभ रहेगा।

कन्या

लाभ के अवसर हाथ से निकलेंगे। बेवजह कहासुनी हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। व्यापार ठीक चलेगा। धैर्य रखें।

तुला

पराक्रम बढ़ेगा। लंब समय से रुके कार्य सहज रूप से पूर्ण होंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी।

वृश्चिक

दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। अज्ञात भय रहेगा।

धनु

आंखों का ख्याल रखें। अज्ञात भय सताएगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। कानूनी अड़चन आ सकती है।

मकर

व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय में निश्चितता रहेगी। कोई बड़ी समस्या आ सकती है। धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कुम्भ

व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है तथा तनाव रहेंगे। सुख के साधन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मीन

आराम तथा मनोरंजन के साधन उपलब्ध होंगे। यश बढ़ेगा। व्यापार वृद्धि होगी। नई योजना बनेगी जिसका तत्काल लाभ नहीं मिलेगा। कार्यप्रणाली में सुधार होगा।

अब कोरिया में रिलीज होगी फिल्म 'लव इन वियतनाम'

शांतनु माहेश्वरी और अवनीत कौर स्टारर 'लव इन वियतनाम' चार महीने पहले अगस्त में भारत में रिलीज हुई थी। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई थी। अब भारत के बाद 'लव इन वियतनाम' कोरिया में रिलीज होने वाली है।

राहत शाह काजमी द्वारा निर्देशित 'लव इन वियतनाम' 8 दिसंबर को कोरिया में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म भारत में 12 सितंबर को रिलीज हुई थी। यह सबाहतिन अली के सबसे ज्यादा बिकने वाले उपन्यास 'मैडोना इन अ फर कोट' से प्रेरित एक दिल दहला देने वाली प्रेम कहानी है। यह हिंदी सिनेमा में भारत-वियतनाम के बीच पहला सहयोग है।'लव इन वियतनाम' के कोरिया में रिलीज होने पर फिल्म की कास्ट ने खुशी जताई। अवनीत कौर ने कहा कि मुझे यह जानकर खुशी है कि कोरियाई दर्शक इस फिल्म को कितना प्यार करते हैं। हमारी फिल्म का कोरिया में रिलीज होना किसी उपहार से कम

नहीं है। मैं चाहती हूं कि जब यह रिलीज हो तो मैं वहां मौजूद रहूं। हमारी कहानी को अपनी दुनिया में जगह देने के लिए उनका शुक्रिया अदा कर सकूं ।

शांतनु माहेश्वरी ने इस मौके पर कहा कि कोरियाई सिनेमाघरों में फिल्म की रिलीज से बहुत खुश हूं। सबसे खुशी की बात ये है कि कोरियाई प्रशंसक फिल्म की छोटी-छोटी भावनात्मक बारीकियों पर कैसी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। वे ऐसी चीजों पर ध्यान देते हैं, जिनकी हमने भारत और वियतनाम के बाहर किसी से उम्मीद नहीं की थी। मुझे हमेशा से कोरिया की कलात्मक संस्कृति के बारे में जानने की उत्सुकता रही है। अब जब हमारी फिल्म वहां रिलीज हो रही है, तो ऐसा लगता है जैसे जीवन का चक्र पूरा हो गया हो। मैं रिलीज के दौरान वहां जाना, दर्शकों से मिलना और उनसे बात करना पसंद करूंगा।

मिसेज देशपांडे का ट्रेलर रिलीज, दमदार किरदार में दिखीं माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित अपने नए शो मिसेज देशपांडे के साथ ओटीटी पर आने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। नागेश कुकुनूर के निर्देशन में बना शो मिसेज देशपांडे का ट्रेलर रिलीज हो गया है। एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित अपने नए शो मिसेज देशपांडे के साथ ओटीटी पर आने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

नागेश कुकुनूर के निर्देशन में बना शो मिसेज देशपांडे का ट्रेलर रिलीज हो गया है। शो का ट्रेलर सोमवार को मुंबई में लॉन्च किया गया। माधुरी के साथ डायरेक्टर नागेश और को-स्टार प्रियांशु चटर्जी भी मौजूद थे।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि माधुरी दीक्षित का किरदार कुछ लोगों को रस्सी के जरिए मार देता है। पुलिस केस की जांच करती है और कहती है कि इन लोगों को नायलॉन

की रस्सी से मारा गया है और शीशे के सामने बॉडी को रखा गया है। लगता है 25 साल पहले वाली कोई सीरियल किलर है। ट्रेलर में पुलिस माधुरी से पूछताछ करती हैं। माधुरी कहती हैं, मैं यहां अंदर हूं। इसका मतलब कोई बाहर है, जो मेरी नकल कर रहा है। इसके बाद माधुरी पुलिस वाले से डील करती हैं। वह कहती हैं आपको मेरी मदद की जरूरत है लेकिन मुझे बदले में कुछ चाहिए। फिर वह जांच में पुलिस की मदद करती हैं। हालांकि ट्रेलर में यह पता नहीं चल पाया कि असली कातिल कौन है?

मिसेज देशपांडे शो के ट्रेलर को कई दर्शकों ने पसंद किया है। वह इस पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूज़र ने लिखा है माधुरी दीक्षित को इस तरह इससे पहले कभी नहीं देखा। एक दूसरे यूजर ने लिखा है स्क्रीन पर राज करने रानी दोबारा आ गई है। एक और यूजर ने लिखा है यह शो कमाल का होने वाला है। माधुरी दीक्षित हमेशा चमकती हैं। यह एक्ट्रेस सुपरस्टार है।

एएनआई से बातचीत में, माधुरी दीक्षित ने आने वाली थ्रिलर सीरीजी में अपने रोल के बारे में बात करते हुए कहा कि यह उनके फैंस के लिए एक बड़ा सरप्राइज हो सकता है। क्योंकि वह इसे अब तक निभाए गए सबसे मल्टी-लेयर्ड कैरेक्टर्स में से एक कहती हैं। माधुरी दीक्षित का यह शो 19 दिसंबर 2025 को जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा। शो को अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने कुकुनूर मूवीज के साथ मिलकर प्रोड्यूस किया है।

बॉलीवुड | **ऑनलाइन बेटिंग एप**

मनी लॉन्ड्रिंग केस में नेहा शर्मा से ईडी ने की पूछताछ

नेहा शर्मा मंगलवार को नई दिल्ली स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुख्यालय में पेश हुईं। नेहा शर्मा को ईडी ने ऑनलाइन बेटिंग एप केस में पूछताछ के लिए बुलाया था। अधिकारियों ने बताया कि नेहा शर्मा मंगलवार को ऑनलाइन बेटिंग प्लेटफॉर्म 1×बेट्ट से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट के सामने पेश हुईं। अधिकारी के मुताबिक, 38 वर्षीय अभिनेत्री नेहा शर्मा का बयान प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (PMLA) के नियमों के तहत रिकॉर्ड किया जा गया है। माना जा रहा है कि नेहा शर्मा कुछ एंडोर्समेंट के जरिए बेटिंग प्लेटफॉर्म से जुड़ी हुई हैं। फेडरल जांच एजेंसी ने पहले इसी मामले में पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन और सुरेश रैना से इसी तरह पूछताछ के बाद उनकी 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी। सट्टेबाजी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नेहा शर्मा से पहले उर्वशी रौतेला, सोनू सूद, सुरेश रैना, शिखर धवन से भी पूछताछ हो चुकी है। इनके बाद अब नेहा शर्मा ईडी के रडार पर हैं। पिछले सप्ताह नेहा को केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी के द्वारा पूछताछ का समन भेजा गया। उन्हें 02 दिसंबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। ईडी के मुताबिक 1×Bet भारत में बिना अनुमति ऑपरेट हो रहा था। सोशल मीडिया और ऑनलाइन वीडियो के जरिए भारतीय यूजर्स को टारगेट करने के लिए सरोगेट ब्रांडिंग और एडवर्टाइजमेंट का इस्तेमाल करता था। ईडी ने कहा, एंडोर्समेंट के लिए पेमेंट, फंड के गैर-कानूनी सोर्स को छिपाने के लिए विदेशी बिचौलियों का इस्तेमाल करके लेयर्ड ट्रांजैक्शन के जरिए किए गए थे। बता दें कि केंद्र सरकार हाल ही में भारत में ऑनलाइन गेमिंग पर बैन लगाने के लिए एक कानून लाई है।

60 किलो सींग वाले नंदी! महादेव नगरी से पहुंचे आरा, दर्शन को उमड़ी भक्तों की भीड़

बिहार के आरा शहर में इन दिनों एक अनोखा नजारा देखने को मिल रहा है। महाराष्ट्र के नासिक से लाया गया 16 साल का यह विशेष नंदी बैल अपने विशाल और खूबसूरती से सजे सींगों के कारण लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। बताया जा रहा है कि इसके दोनों सींगों का कुल वजन करीब 60 किलो है, जो इसे और भी खास और दुर्लभ बना देता है। सड़क पर जैसे ही यह सजा-धजा नंदी बैल आया, बच्चे से लेकर बुजुर्ग तक हर कोई इसे देखने घरों से बाहर निकल पड़े। पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर आगे बढ़ता यह नंदी पूरे इलाके में धूम मचा रहा है। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि नंदी को बेहद खूबसूरत ढंग से सजाया गया है। गले में कई प्रकार की घंटियां, मोतियों की माला, रंगीन कपड़े, और सींगों पर आकर्षक पेंटिंग इसे बेहद अलौकिक रूप देती है। नंदी के साथ चल रहा कलाकार लगातार ढोलक बजाते हुए धार्मिक और लोकधुनें सुनाता चलता है, जिससे माहौल पूरी तरह भक्ति और उत्सव में रंग जाता है। स्थानीय लोग इसे श्री महादेव का वाहन मानकर आशीर्वाद प्राप्त करने उमड़ रहे हैं। कई लोग नंदी के चरणों को छूकर दान-पुण्य भी कर रहे हैं। नासिक से आरा तक पहुंचने की इसकी यात्रा भी कम दिलचस्प नहीं रही। मालिकों के अनुसार, नंदी को विशेष देखभाल और भोजन दिया जाता है। इसकी सुरक्षा के लिए अलग से टीम भी रहती है। आरा शहर के कई मोहल्लों में इस नंदी को घुमाया जा रहा है। जहां-जहां यह पहुंच रहा है, वहां लोगों की भीड़ उमड़ रही है। सोशल मीडिया पर भी इसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। अनोखे रूप, आकर्षक सजावट, और भारी-भरकम सींगों वाला यह 16 वर्षीय नंदी इन दिनों आरा शहर की शान बन गया है। लोगों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। जिस मोहल्ले में नंदी बैल जा रहा वहां लोग उसकी पूजा अर्चना कर रहे हैं। उसके कान में बोल कर मनोकामना भी मांग रहे है।

अजब-गजब | **यहां एक सेकेंड में जा सकती है जान**

इसे कहा जाता है दुनिया का सबसे खारा समुद्र

अगर आपसे पूछा जाए कि क्या आप किसी ऐसे समुद्र के बारे में जानते हैं, जिसे दुनिया में सबसे खारा यानी सबसे अधिक नमकीन माना जाता है? इतना ही नहीं, इस समुद्र में कोई जीव 1 सेकंड से ज्यादा देर तक जिंदा नहीं रह सकता है। बात अगर इंसानों की करें तो उन्हें भी 15 से 20 मिनट से ज्यादा देर तक नहीं रहना चाहिए। इतना ही नहीं, अगर आंखों में ये पानी चला जाए, तो भयानक जलन होती है। कहा जाता है कि हमारी पृथ्वी 71 प्रतिशत पानी से घिरी हुई है। इस पानी का अधिकांश हिस्सा महासागर प्रदान करते हैं। हालांकि, क्या आप दुनिया के सबसे अधिक नमकीन समुद्र के बारे में जानते हैं? पृथ्वी पर सबसे अधिक नमकीन माने जाने वाले समुद्र के बारे में इस पोस्ट में विस्तार से जानते हैं। मृत सागर को दुनिया का सबसे अधिक नमकीन समुद्र माना जाता है। इसमें लगभग 34ब्न नमक सांद्रता अधिक होने के कारण ही इसे यह नाम मिला है। आंकड़े बताते हैं कि यह सामान्य समुद्री जल से लगभग दस गुना अधिक नमकीन है। मृत सागर की कोई निकासी न होने के कारण बहता पानी कभी बाहर नहीं निकलता। इससे हजारों वर्षों से खनिजों का निक्षेपण होता आ रहा है। यह कहां स्थित है? मृत सागर पूर्व में जॉर्डन और पश्चिम

में इजराइल तथा फिलिस्तीन के बीच स्थित है। यह समुद्र तल से लगभग 430 मीटर नीचे है। लाखों वर्ष पहले टेक्टॉनिक परिवर्तनों से बने इस सागर का एक लंबा इतिहास है। यह कई प्राचीन ग्रंथों और सभ्यताओं में दर्ज है। साथ ही इसका स्थान, ऐतिहासिक महत्व और अनूठी भौगोलिक स्थिति इसे एक प्राकृतिक आश्चर्य और एक प्रमुख पर्यटन स्थल बनाती हैं। मृत सागर उच्च तापमान वाले मरुस्थलीय क्षेत्र में स्थित है। इसके परिणामस्वरूप पूरे वर्ष भारी वाष्पीकरण होता है। तदनुसार, जब पानी वाष्पित होता है, तो सोडियम क्लोराइड, मैग्नीशियम, कैल्शियम और पोटेशियम जैसे खनिज पानी में रह जाते हैं। क्या जीव जीवित रह सकते हैं? यह धीरे-धीरे अपनी लवणता बढ़ाता जाता है। जॉर्डन नदी केवल एक निश्चित मात्रा में ताजा पानी ही आपूर्ति करती है। इसलिए समय के साथ नमक जमा होता जाता है। मृत सागर की उच्च नमक सामग्री अधिकांश समुद्री जीवों के लिए इसे रहने योग्य नहीं बनाती है। मछली, पौधे और शैवाल ऐसी कठोर परिस्थितियों में जीवित नहीं रह सकते। दरअसल, इस समुद्र की लवणता कोशिकाओं से नमी सोख लेती है। ये सूक्ष्मजीव चरम जीवन रूपों का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों के लिए मूल्यवान हैं और यह भी संकेत दे सकते हैं कि अन्य ग्रहों पर जीवन कैसा हो सकता है।

मोदी सरकार अरावली की पहाड़ियों पर कर रही अत्याचार : सोनिया गांधी

» बोलीं कांग्रेस सांसद- खनन छूट से 'डेथ वारंट' जैसा कदम उठाया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अरावली पहाड़ियों के लिए ''डेथ वारंट'' जैसा कदम उठाया है। उन्होंने अंग्रेजी दैनिक अखबार 'द हिंदू' के लिए लिखे एक लेख में इस बात का उल्लेख किया कि अरावली के 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले किसी भी क्षेत्र में खनन को छूट दे दी गई है।

सोनिया गांधी ने कहा, ''गुजरात से लेकर राजस्थान और हरियाणा तक फैली अरावली पर्वतमाला ने लंबे समय से भारतीय भूगोल और इतिहास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मोदी सरकार ने अवैध खनन से पहले ही बर्बाद हो चुकी इन पहाड़ियों के लिए अब लगभग 'डेथ वारंट' पर हस्ताक्षर कर दिए हैं।''उन्होंने कहा, ''सरकार ने घोषणा की है कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वालीकोई भी पहाड़ी खनन के खिलाफ कड़े प्रतिबंधों के अधीन नहीं है। यह फैसला अवैध खननकर्ताओं और माफियाओं के लिए खुला निमंत्रण है कि वे इस श्रृंखला के उस 90 प्रतिशत हिस्से का भी सफाया कर दें, जो सरकार द्वारा निर्धारित ऊंचाई सीमा से नीचे आता है।''सोनिया गांधी ने कहा, ''हमें पर्यावरणीय मामलों पर अधिक अंतर-सरकारी समन्वय के साथ काम करने की आवश्यकता है। एनसीआर में वायु प्रदूषण संकट के लिए भूजल यूरेनियम संदूषण मुद्दे की तरह ही एक संपूर्ण सरकारी दृष्टिकोण के साथ एक क्षेत्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता है।'उन्होंने कहा कि पर्यावरण संबंधी मामलों पर तो मोदी सरकार को सहकारी संघवाद की भावना अवश्य प्रदर्शित करनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की पर्यावरण नीतियों को कानून के शासन के प्रति सम्मान, स्थानीय समुदायों के खिलाफ नहीं बल्कि उनके साथ काम करने की प्रतिबद्धता और पर्यावरण व मानव विकास के बीच अटूट संबंध की समझ द्वारा निर्देशित किया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा, ''केवल ऐसे दृष्टिकोण के साथ ही हम स्वस्थ और सुरक्षित भारत निर्माण कर सकते हैं।

संसद में असली काटने वाले बैठे हैं जो देश चला रहे हैं : राहुल गांधी

राहुल गांधी ने संसद में कुत्ते लाए जाने के विवाद पर सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कटाक्ष किया कि देश की असल समस्याएँ छोड़कर, सरकार और मीडिया एक बेज़ुबान जानवर को मुद्दा बना रहे हैं। गांधी ने कहा कि संसद में असली काटने वाले बैठे हैं, जो देश चला रहे हैं, जबकि एक मूक जानवर के प्रति करुणा दिखाना बड़ा मुद्दा बन गया है। उन्होंने लोगों से अधिक महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद भवन के बाहर पत्रकारों से खुलकर बातचीत करते हुए कांग्रेस सांसद द्वारा कुत्ता लाए जाने पर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी। राहुल गांधी ने कहा कि आजकल भारत शायद इन्हीं मुद्दों पर चर्चा कर रहा है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि आज कुत्ता ही मुख्य विषय है। उन्होंने कहा कि बेचारे कुत्ते ने क्या किया? क्या यहाँ कुत्तों का आना मना है? अंदर तो है...शायद पालतू जानवरों का आना मना है, मुझे लगता है कि आजकल भारत इन्हीं मुद्दों पर चर्चा कर रहा है। चौधरी ने पहले ही परिस्थितियों को स्पष्ट करते हुए कहा था कि वह जानबूझकर संसद में कोई पालतू जानवर नहीं लाई थीं। दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने कुछ ही देर पहले एक स्कूटर और कार की टक्कर देखने के बाद पिल्ले को बचाया था। उन्होंने कहा, क्या कोई क़ानून है? मैं रास्ते में थी। एक स्कूटर एक कार से टकरा गया। एक छोटा सा पिल्ला सड़क पर घूम रहा था। मुझे लगा कि उसे टक्कर लग जाएगी। इसलिए मैंने उसे उठाया, कार में रखा, संसद आई और वापस भेज दिया। कार चली गई, और कुत्ता भी। तो इस बहस का क्या मतलब है? उन्होंने सवाल उठाया कि करुणा का एक क्षण राष्ट्रीय चर्चा का विषय क्यों बन गया, और तर्क दिया कि ज़्यादा ज़रूरी मुद्दों पर ध्यान देने की ज़रूरत है।

सरकारी नीति निर्धारण में पर्यावरण के प्रति निरंतर उपेक्षा हो रही

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकारी नीति निर्धारण में पर्यावरण के प्रति गहरी और निरंतर उपेक्षा व्याप्त है। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण को व्यवस्थित रूप से कमजोर कर दिया गया है, लेकिन अब उसके गौरवपूर्ण स्थान को बहाल किया जाना चाहिए और सरकारी नीति और दबाव से स्वतंत्र रूप से कार्य करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

वैष्णो देवी मेडिकल कॉलेज में मुस्लिमों के लिए आरक्षण जारी रहेगा : उमर अब्दुल्ला

» बोले सीएम- परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों को उनके धर्म के लिए सजा नहीं दी जा सकती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अधीन आने वाले मेडिकल कॉलेज को लेकर सुलग रहे जम्मू कश्मीर के रोष के बीच मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि नीट की परीक्षा में अच्छे अंक लाने वाले विद्यार्थियों को उनके धर्म के लिए सजा नहीं दी जा सकती। न तो कानून और न ही संविधान इसकी अनुमति देता है।

उन्होंने कहा कि यदि कोई संस्था धर्म के आधार पर सीट आरक्षण चाहती है तो उसे पहले सरकारी अनुदान लेना बंद करना होगा। इसके साथ ही उसे दी गई जमीन की कीमत का भी भुगतान करना होगा। फिर वह अपने कानून में बदलाव कर अपनी मर्जी से दाखिले कर सकते हैं। इस पर श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति के संयोजक सेवानिवृत्त कर्नल सुखबीर सिंह मनकोटिया ने कहा कि उमर अब्दुल्ला आंदोलन को धार्मिक रंग दे रहे हैं। हम कभी किसी विद्यार्थी के विरोधी नहीं रहे हैं लेकिन माता वैष्णो देवी के चढ़ावे को लेकर तो पहले से तय है कि भक्तों द्वारा चढ़ाए गए धन का उपयोग केवल मंदिर से जुड़ें आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और परोपकारी उद्देश्यों के अनुरूप होना चाहिए। मनकोटिया का कहना है कि श्राइन बोर्ड के मामले में उमर अब्दुल्ला को बोलने की जरूरत नहीं है। उनके पास कोई ठोस समाधान हो तो बात करें नहीं तो लोगों की भावनाओं से खेलना बंद करें। इस मेडिकल कालेज को सरकार से अब तक कोई मदद नहीं मिली है। जमीन उमर अब्दुल्ला की नहीं है।

उमर अब्दुल्ला मामले को धार्मिक रंग न दें

श्री सनातन धर्म सभा के प्रदेशाध्यक्ष पुरुषोत्तम दधीचि ने उमर अब्दुल्ला के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि अगर उमर अब्दुल्ला मामले को धार्मिक रंग न दें। हम अपने धार्मिक स्थाल की और उसके द्वारा खर्च किए जा रहे पैसे को हिंदुओं पर खर्च करने की बात कर रहे हैं। जो सुझाव उमर अब्दुल्ला हमें दे रहे हैं। उन पर खुद अमल करें और अपने पैसे का जो चाहे करें। जिसे मर्जी दाखिला दें। माता वैष्णो देवी के चढ़ावे से चलने वाले मेडिकल कालेज में सनातन धर्म की उपेक्षा बर्दाश्त नहीं होगी। संघर्ष समिति के आंदोलन से ही उमर अब्दुल्ला के सभी प्रश्नों के जवाब मिल जाएंगे।

टैक्स वसूली में लापरवाही और लाखों के बकाए में खेल

» जोन-3 में तीन राजस्व निरीक्षकों को नोटिस,फैजुल्लागंज में बड़ा घोटाला उजागर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राजस्व निरीक्षक	वार्ड	वसूली
अमित शंकर	महानगर	ज़ीरो वसूली का रिकॉर्ड
उदय त्रिपाठी	महाकवि जयशंकर प्रसाद	4,266
विशाल श्रीवास्तव	मनकामेश्वर मंदिर	4,301

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ के जोन-3 में टैक्स वसूली को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। वसूली में गिरावट के चलते जोनल अधिकारी आकाश कुमार ने तीन राजस्व निरीक्षकों को स्पष्टीकरण नोटिस जारी किया है।

दूसरी ओर, फैजुल्लागंज क्षेत्र में लाखों के गृहकर बकाए को चंद हजार में निपटाने का मामला सामने आने से निगम की कार्यप्रणाली पर बड़े सवाल उठ खड़े हुए हैं। जोन-3 के 19 में से 18 वार्डों में कुल वसूली केवल 3,00,381 दर्ज हुई। जो निर्धारित लक्ष्य की तुलना में बेहद कम है। जोनल अधिकारी ने कहा कि यह स्थिति स्पष्ट करती है कि निरीक्षकों ने अपने दायित्वों में रुचि नहीं ली। 24 घंटे की डेडलाइन दी गई है। नहीं मिला जवाब तो कठोर कार्रवाई होगी। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप वसूली कर 24 घंटे में विवरण दें। अन्यथा एक दिन का वेतन काटते हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई निश्चित। इसी जोन में फैजुल्लागंज गहला (चतुर्थ) वार्ड से बड़ा घोटाला उजागर हुआ है। यहाँ एक संपत्ति पर 3,86,881 गृहकर बकाया था, जिसे अफसरों की मिलीभगत से घटाकर सिर्फ 31,056 कर दिया गया।यानि 3,55,825 का सीधा नुकसान नगर निगम को। कम वसूली पर नोटिस दिखाओ और बकाया कम कर करोड़ों का नुकसान कराओ।

शलभ की 20वीं व 21वीं कृति गीता काव्यामृत का लोकार्पण

» साहित्यक व सांस्कृतिक संस्था विंब कला ने किया कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। साहित्यक व सांस्कृतिक संस्था विंब कला कें द्र के तत्वावधान में वरिष्ठ कवि राजेश अरोड़ा शलभ की 20वीं व 21वीं कृ ति गीता काव्यामृत की दूसरे व तीसरे भाग का लोकार्पण किय गया। यह लोकार्पण हिंदी संस्थान के निराला सभागार में हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष उदयप्रताप सिंह ने किया।

इस अवसर पर व्यंगकार सूर्य कु मार पांडेय,श्याम मिश्र, जगदेव सिंह व यूपीडीडी के आत्म प्रकाश मिश्र मौजूद रहे। इसकार्यक्र म का शुभारंभ भजन गायक अनूप जलोटा के भजनों के वीडियो के गायन से हुआ। शलभ ने इस कृ ति की रचना कैसे की इसकी जानकारी साझा की। अन्य महानुभवों ने भी अपने विचार इस किताब के बारे में रखे। इस अवसर पर कई रंगारंग कार्यक म भी हुए जिसमें आल इंडिया रेडियो के ग्रेडेड कलाकारों ने प्रदर्शित किया। सबसे मनमोहक कथक नृत्य ईशा व मीशा ने किया।

भारत ने नामीबिया को 13-0 से रौंदा

» जूनियर महिला विश्वकप हॉकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिना बानो और कनिका सिवाच की हैट्रिक की बदौलत सोमवार को यहां नामीबिया को 13-0 से हराकर जूनियर महिला हॉकी विश्व कप में अपने अभियान की शानदार शुरुआत की। हिना (35 वां , 35 वां, 45 वां मिनट) और कनिका (12 वां, 30 वां, 45 वां मिनट) के गोलों के अलावा साक्षी राणा (10 वां, 23 वां मिनट) ने दो गोल किए, जबकि बिनीमा धान (14 वां मिनट), सोनम (14 वां मिनट), साक्षी शुक्ला (27 वां मिनट), इशिका (36 वां मिनट) और मनीषा (60 वां मिनट) ने भी गोल किए।

इस जीत के साथ भारत तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। भारत ने शुरुआती क्वार्टर में चार मिनट के अंदर चार गोल कर अपना दबदबा कायम करने के बाद नामीबिया को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। साक्षी ने शानदार रिवर्स फ्लिक से गोल कर खाता खोला और कनिका ने एक दमदार फिनिश के साथ भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। बिनिमा ने टीम के लिए तीसरा गोल किया, जबकि सोनम ने कुछ बेहतरीन तालमेल के बाद चौथा गोल दागा, जिससे शुरुआती पंद्रह मिनट में भारत 4-0 की बढ़त बना चुका था। टीम ने दूसरे क्वार्टर में अपनी बढ़त को 7-0 और तीसरे क्वार्टर के बाद 12-0 कर लिया। आखिरी क्वार्टर की शुरुआत में कुछ बदलाव करते हुए भारत ने लगातार मौके बनाए और बेंच पर बैठे खिलाड़ियों को भी अपनी छाप छोड़ने का मौका मिला। मनीषा ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को 13-0 से आगे कर दिया।

एसआईआर का ज्वालामुखी संचार साथी ऐप के लावा से विपक्ष बौखलाया

नागरिकों के रिकार्ड के साथ जनता के व्यवहार के बारे में सब कुछ जानना चाहती है सरकार

» शीतकालीन सत्र में अभी तक नहीं हुआ ढेला भर काम

» क्या विपक्ष को हंगामे के लिए उकसा रही है सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की सर्दी बढ़ रही है लेकिन उससे कहीं ज्यादा गर्मी संसद के भीतर महसूस की जा रही है। शीतकालीन सत्र तेजी से आगे बड़ रहा है लेकिन संसद के भीतर सरकार और विपक्ष के बीच तालमेल नहीं बन पा रहा है। विपक्ष एसआईआर पर चर्चा की मांग पर अड़ा है उसका कहना है कि सरकार चर्चा से भाग रही है। सरकार के लिए नया रायता संचार सथी एप का भी फैल रहा है।

हालांकि सदन में आज संचार मंत्री ने इस विषय पर विपक्ष को विश्वास में लेने की कोशिश की जो बेअसर साबित हुई। कल पूरे दिन लोकसभा और राज्यसभा हंगामे की भेंट चढ़ीं और आज भी माहौल गर्माया रहा। सवाल वही है कि विपक्ष हंगामा कर रहा है या सरकार हंगामे के लिए विपक्ष को मजबूर कर रही है? अगर सरकार को अपने एसआईआर बिल पर इतना भरोसा है तो चर्चा से परहेज़ क्यों? और अगर विपक्ष गलत है तो खुली बहस का डर क्यों? वहीं संसद के बाहर एक और विवाद का ज्वालामुखी फूट पड़ा है और वह है संचार साथी एप। सरकार इसे नागरिकों से सीधा संवाद बताती है लेकिन विपक्ष इसे डिजिटल निगरानी डाटा ट्रैकिंग और नागरिकों की राजनीतिक प्रोफाइलिंग का नया रूप बता रहा है। ट्विटर हो, फेसबुक हो या संचार साथी के रूप माहौल खौल रहा है। विपक्ष ने सीधा आरोप लगाया है कि एसआईआर से नागरिकों का रिकार्ड और संचार साथी से नागरिकों का व्यवहार सरकार हर नागरिक के बारे में सब कुछ जानना चाहती है। शीतकालीन सत्र में आज का दिन सिर्फ बहस का नहीं बल्कि राजनीतिक आमने-सामने का मैदान बनने वाला है। एसआईआर और संचार साथी एप दो अलग मुद्दे नहीं रह गए यह सत्ता बनाम विपक्ष की नई वैचारिक लड़ाई के दो मोर्चे बन चुके हैं।

संचार साथी ऐप पर बवाल

सरकार की तरफ से संचार साथी ऐप को हर फोन में प्रीइंस्टाल करने के साथ उसको हटाया न जा सके वाले निर्देश जारी किये गये थे। इस बात को लेकर विपक्ष ने सरकार पर हमला बोला है। सीपीआई (एम) सांसद जॉन ब्रिटास का कहना है कि देश निगरानी करने वाले देशों में शामिल हो रहा है। सरकार फोन में पहले से ही एक एप्लीकेशन इंस्टॉल करना चाहती है जो लोगों की निगरानी करे और उनके बिहेवियर पर नजर रखे। कांग्रेस सांसद सप्तगिरी शंकर उलाका का कहना है कि नोटिफिकेशन में कहा गया है कि यह ऐप दिखना चाहिए इसे कोई हटा ना सके। इसका क्या मतलब है? उन्होंने कहा कि यह जबरदस्ती करने से समझ में आता है कि इसका मकसद कुछ और ही है। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने आरोप लगाते हुए कहा है कि जब लोग इसे अपने आप डिलीट कर सकते हैं तो इसे जरूरी क्यों किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह जासूसी करने का एक तरीका है। संचार साथी ऐप को लेकर टीएमसी सांसद डोला सेन का कहना है कि 14 साल से हम यही सब देख रहे हैं। पहले पेगासस की बात को इन्होंने स्वीकार नहीं किया। बाद में सामने आया कि इन्होंने पेगासस के लिए आवेदन किया था। वह भी हमारी व्यक्तिगत चीजों में हस्तक्षेप था और इसके बाद आधार कार्ड को बैंक अकाउंट और अन्य चीजों से जबरन लिंक करवाया।

संचार मंत्री का जवाब

लोकसभा में आजसंचार सुरक्षा और बढ़ते डिजिटल खतरों को लेकर पूछे गए प्रश्न पर केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने विस्तृत जवाब दिया। उन्होंने कहा कि दूरसंचार का क्षेत्र आज देश को दुनिया से जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम बन चुका है। इसके 100 करोड़ से अधिक उपयोगकर्ता हैं। ऐसे में सरकार की जिम्मेदारी है कि वह लोगों को डिजिटल अपराधों और दुरुपयोग से सुरक्षित रखे। संचार मंत्री ने कहा कि आज मोबाइल और इंटरनेट का उपयोग बढ़ा है, लेकिन इसके साथ ही कई ऐसे तत्व भी सक्रिय हैं जो इसका दुरुपयोग कर लोगों को ठगी, धोखाधड़ी और साइबर अपराधों का शिकार बनाते हैं। सरकार का दायित्व है कि हर नागरिक को इन खतरों से बचाया जाए। सिंधिया ने बताया कि सरकार ने 2023 में संचार साथी पोर्टल की शुरुआत की थी और 2025 में संचार साथी ऐप लॉन्च किया गया। इन दोनों का उद्देश्य नागरिकों को डिजिटल सुरक्षा का अधिकार देना है। इस ऐप के माध्यम से हर नागरिक न केवल अपने आपको सुरक्षित रख सकता है, बल्कि चोरी हुए फोन की रिपोर्टिंग भी कर सकता है। इससे अपराध रोकने और मोबाइल नेटवर्क को सुरक्षित बनाने में बड़ी मदद मिली है।

भावनगर अस्पताल कॉम्प्लेक्स में लगी भीषण आग

» नवजात मासूमों को बचाने में करनी पड़ी मशक्कत, 20 बीमार बच्चे भर्ती थे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधी नगर। गुजरात के भावनगर में एक अस्पताल कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लग गई। बुधवार (3 दिसंबर) की सुबह करीब 9.00 बजे इमारत की बिल्डिंग से भयंकर काला धुआं उठने लगा। इस बिल्डिंग में करीब चार अस्पातल बने हैं, जिसमें कई मरीज मौजूद थे। यहीं बच्चों का भी एक अस्पताल है, जहां नवजात समेत करीब 20 बीमार बच्चे भर्ती थे। आग लगी देख लोगों ने तुरंत फायर डिपार्टमेंट और पुलिस को फोन कर दिया।

हालांकि, प्रशासन के आने का इंतजार करने के बजाय स्थानीय लोगों ने सतर्कता दिखाते हुए बच्चों का रेस्क्यू शुरू कर दिया. इसका वीडियो भी सामने आया है। कॉम्प्लेक्स की पहली मंजिल पर बच्चों का अस्पताल है, जहां कई मासूम भर्ती थे। इनमें से कई कुछ दिन पहले ही जन्मे हैं, तो कुछ 8-10 साल के मासूम हैं। जब लोगों ने देखा कि इमारत में आग लग गई है तो अभिभावकों में हड़कंप मच गया। बच्चों को सुरक्षित निकाले जाने के लिए लोगों ने मशक्कत शुरू कर दी। फायर टीम के आने से पहले ही बच्चो के रेस्क्यू का जिम्मा लोकल लोगों ने अपने हाथ में लिया। कुछ लोगों ने सीढ़ियों का इस्तेमाल कर बिल्डिंग के फर्स्ट फ्लोर पर बनीं दो-तीन खिड़कियां तोड़ीं और चार-पांच लोग अंदर गए और एक एक कर के बच्चों को सुरक्षित निकालना शुरू किया। बच्चों को धुएं से बचाने के लिए चादरों में लपेटा गया और फिर बाहर लाकर उनके माता-पिता को सौंपा गया। यह दृश्य देखकर यह साफ कहा जा सकता है कि लोगों की सतर्कता ने कई जानें बचा लीं।

छत्तीसगढ़: नक्सलियों के साथ जवानों की मुठभेड़ जारी

» एनकाउंटर में कई माओवादियों के मारे जाने की खबर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जगदलपुर। दंतेवाड़ा और बीजापुर सीमा से लगे भैरमगढ़ क्षेत्र के केशकुतुल के जंगलों में सुबह से नक्सलियों और पुलिस के बीच मुठभेड़ हो रही है।

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक एनकाउंटर में कई माओवादियों के मारे जाने की खबर है। लेकिन मुठभेड़ को लेकर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। बताया जा रहा है कि आज सुबह दंतेवाड़ा से टीम निकली थी जहां बीजापुर की सीमा भैरमगढ़ के केशकुतुल में जवानों और नक्सलियों के बीच में मुठभेड़ हो गई। दोनों ओर से रुक-रुककर फायरिंग हो रही है। अब तक इस मामले में किसी भी नुकसान के बारे में जानकारी नही दी गई है।

दिल्ली एमसीडी उपचुनाव में रेखा सरकार को झटका

» भाजपा को नुकसान कांग्रेस को एक सीट का लाभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की खाली सीटों पर हुए उपचुनाव के नतीजे बुधवार को घोषित हुए। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इन चुनावों में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात सीटों पर जीत दर्ज की। हालांकि पार्टी को दो सीटों का नुकसान भी उठाना पड़ा।

आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस को भी कुछ सीटों पर सफलता मिली, लेकिन सबसे बड़ा सरप्राइज रहा ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक (एआईएफबी) की जीत। चांदनी महल वार्ड से एआईएफबी के उम्मीदवार मोहम्मद इमरान ने जीत दर्ज कर सबको हैरान कर दिया। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 4,632 वोटों के अंतर से हराया। यह जीत इसलिए खास है क्योंकि दिल्ली की राजनीति में एआईएफबी का नाम शायद ही कभी सुना गया हो।

एआईएफबी वामपंथी राजनीतिक दल है

ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक एक वामपंथी राजनीतिक दल है, जिसकी स्थापना नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 1939 में की थी। यह पार्टी आज भी मुख्य रूप से पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और कुछ अन्य राज्यों में सक्रिय है। हालांकि राष्ट्रीय स्तर पर इसका प्रभाव सीमित रहा है। पार्टी की विचारधारा समाजवादी और वामपंथी नीतियों पर आधारित है। दिल्ली में इस पार्टी की जीत को स्थानीय मुद्दों और उम्मीदवार की लोकप्रियता का परिणाम माना जा रहा है।

12 वार्डों के लिए 30 नवंबर को डाले गए थे वोट

एमसीडी के 12 वार्डों के लिए 30 नवंबर को मतदान हुआ था। राज्य चुनाव आयोग ने वोटों की गिनती के लिए 10 केंद्र बनाए थे। इस उपचुनाव में करीब 40 प्रतिशत मतदान हुआ, जो 2022 के एमसीडी चुनावों में दर्ज 50.47 प्रतिशत मतदान से कम है। इस बार कुल 51 उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें 26 महिलाएं शामिल थीं। बीजेपी ने आठ महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया था, जबकि आम आदमी पार्टी ने छह और कांग्रेस ने पांच महिला उम्मीदवारों को मौका दिया।

तेलंगाना सीएम के बयान पर घमासान, भाजपा व संघ ने कांग्रेस को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को उनके 3 करोड़ हिंदू देवताओं वाले बयान पर राजनीतिक और धार्मिक संगठनों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जिसमें उन्होंने कहा था कि हर मौके के लिए एक भगवान होता है। इस टिप्पणी से एक बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है, जिसमें बीजेपी और संघ ने इसे बहुत अपमानजनक कहा है। पार्टी की एग्जीक्यूटिव मीटिंग के दौरान की गई इन टिप्पणियों की बीजेपी और संघ ने कड़ी आलोचना की, और उन पर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाया।

इसके तुरंत बाद, बीजेपी के राज्य प्रमुख जी रामचंद्र राव ने मुख्यमंत्री और कांग्रेस सरकार से बिना शर्त माफी की मांग करते हुए राज्य भर में विरोध और आंदोलन की घोषणा की। आने वाले दिनों में पूरे तेलंगाना में विरोध प्रदर्शन तेज होने की उम्मीद है।

रेवंत ने हिंदू देवताओं पर की थी टिप्पणी

मीटिंग में बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने हिंदू पूजा की विविधता के बारे में हल्के-फुल्के अंदाज़ में कही गई बात कही। उनकी बात, जो इंटरनल विलाप्स सामने आने के बाद वायरल हो गई, वह थी, हिंदू धर्म में कितने देवी-देवता हैं? कितने देवी-देवता? तीन करोड़? क्यों? जो लोग अविवाहित हैं, उनके लिए भगवान हनुमान हैं। जिनकी दो बार शादी हुई है, उनके लिए एक और भगवान हैं। जो लोग शराब पीते हैं, उनके लिए एक और भगवान हैं। येल्लम्मा, पोचम्मा, मैसम्मा। जो लोग चिकन मांगते हैं, उनके लिए एक भगवान हैं। और जो लोग दाल-चावल खाते हैं, उनके लिए एक और भगवान हैं, है ना? सभी तरह के देवी-देवता हैं।

धर्म की मुख्य मान्यताओं और रीति-रिवाजों का मजाक : बीजेपी

विपक्षी पार्टियों ने तुरंत इस बयान पर हमला बोल दिया, और इसे हिंदू धर्म की मुख्य मान्यताओं और रीति-रिवाजों का मज़ाक बताया। एक्स पर रेड्डी पर हमला करते हुए, भाजपा की तेलंगाना यूनिट ने कहा, रेवंत रेड्डी ने एक बार फिर हिंदू देवी-देवताओं के खिलाफ जहर उगलकर और कांग्रेस पार्टी के हिंदूफोबिक डीएनए को सामने लाकर शराफत की सारी हदें पार कर दी हैं। एक पब्लिक प्लेटफॉर्म से, उन्होंने बेशर्मी से हिंदू धर्म का मजाक उड़ाया।

कांग्रेस में हिंदुओं के प्रति गहरी नफरत : बंदी संजय

केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा के पूर्व चीफ बंदी संजय कुमार ने सोशल मीडिया पर एक कड़ा बयान जारी कर कांग्रेस पर हिंदुओं के प्रति दुश्मनी रखने का आरोप लगाया। बंदी संजय ने कहा, मैं मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के हिंदुओं और हिंदू देवी-देवताओं का अपमान करने वाले कमेंट्स की कड़ी निंदा करता हूं। कांग्रेस हमेशा से एआईएमआईएम के आगे झुकने वाली पार्टी रही है। रेवंत रेड्डी ने खुद कहा था कि कांग्रेस एक मुस्लिम पार्टी है। यह बयान ही उनकी सोच को दिखाता है। कांग्रेस में हिंदुओं के प्रति गहरी नफरत है। उन्होंने आगे कहा, यही वजह है कि हमने जुबली हिल्स उपचुनाव के दौरान चेतावनी दी थी कि अगर कांग्रेस या बीआरएस गलती से जीत गए, तो हिंदू इज्ज़त से बाहर नहीं निकल पाएंगे। मुख्यमंत्री के नए कमेंट्स साबित करते हैं कि बीजेपी सही थी।

कांग्रेस के पीएम मोदी को चायवाला बताते हुए एआई वीडियो पर बवाल

कांग्रेस ने पीएम मोदी को चायवाला बताते हुए उनका एक फनी एआई वीडियो शेयर किया है। वीडियो वायरल होने के बाद इस पर सियासी बवाल मच गया है। वीडियो पर सवाल उठाते बीजेपी ने कहा है कि प्रधानमंत्री की गरिमा के साथ ऐसे कैसे किया जा सकता है। उन्होंने इसे शर्मनाक बताते हुए कहा कांग्रेस का यह घृणित ट्वीट 140 करोड़ मेहनती और योग्य भारतीयों का गंभीर अपमान है। इस एआई वीडियो कांग्रेसी नेता रागिनी नायक के ट्विटर हैंडल से शेयर किया गया है। रागिनी नायक ने एआई वीडियो एक्स पर पोस्ट करते हुए पूछा है कि अब ई कौन किया बे। दरअसल इस वीडियो में प्रधानमंत्री के हाथ में चाय की केतली और कप लेकर दिखाया गया है, ये वीडियो किसी इंटरनेशनल समिट का है। वीडियो को बीजेपी ने प्रधानमंत्री मोदी का अपमान माना है और कांग्रेस पर पलटवार करते हुए कहा है कि 140 करोड़ की जनता पीएम मोदी को आशीर्वाद देती है जबकि राहुल गांधी और कांग्रेस को खारिज कर रही है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सीआर केसवन ने एक्स पोस्ट में कहा, कि कांग्रेस का यह शर्मनाक ट्वीट कांग्रेस नेतृत्व की विकृत मानसिकता को उजागर करता है। यह कांग्रेस द्वारा ओबीसी समुदाय पर सीधा हमला है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।